



ताले में इंदौर... जगह-जगह पुलिस!

बेवजह निकलने वालों की हवा निकाल रहे

फल-सब्जी के ठेले नदारद

# शिवराज आए... ‘बंद’ लाए...!

इंदौर : नगर प्रतिनिधि। कोरोना के आंकड़े गिरने लगे थे... शहर में सुकून आने लगा था, लेकिन अचानक ऐलान हुआ कि दस दिन तक सख्ती खूब बढ़ाई जाएगी। शहर की इस हैरानी का जवाब मिला है।

बताया जा रहा है कि कल जब सीएम शिवराज सिंह चौहान इंदौर एयरपोर्ट से कलेक्ट्रेट जा रहे थे, तब उन्हें जगह-जगह भीड़ नजर आई। इस बात पर वो नाराज थे और भोपाल रवाना होने से पहले ही सख्ती का आदेश दे गए। कलेक्टर मनीष सिंह ने ताबड़तोड़ आदेश जारी किया और उस सब पर भी रोक लग गई, जो थोड़ा-बहुत चल रहा था। कलेक्टर का नया आदेश गले नहीं उतर रहा है, क्योंकि एक तरफ तो कोरोना के आंकड़े कम होते दिख रहे हैं, तो दूसरी तरफ प्रशासन ने डंडा तेज कर दिया। सीएम की नाराजगी से जारी हुए आदेश ने आज सुबह से ही पुलिस-प्रशासन को चौकस कर दिया।

## अचानक सख्ती से इंदौर हैरान



बहसबाजी... इंदौर के गांधी स्टैचू पर पुलिस की रोक-टोक।

बेवजह घूमने वालों पर डंडे फटकारे गए। गाड़ियों की हवा निकाली गई। चोरी से सब्जी ठेले वाले निकले जरूर, लेकिन आवाज नहीं लगा रहे थे। गली-कूचों में घुस गए। मेन रोड पर जो निकले, उन्हें पुलिस ने धर लिया। आज दोपहर इस सख्ती को लेकर कलेक्टर ने रेसीडेंसी कोठी पर एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ और सीएमओ की बैठक बुलाई है। गांवों में भी पूरी सख्ती का आदेश है। शहर में जगह-जगह बैरिकेड्स लगा दिए हैं। टॉवर चौराहा, सिंधी कॉलोनी, महुनाका, कलेक्ट्रेट, पंढरीनाथ, राजवाड़ा, मधुमिलन चौराहा, मूसाखेड़ी, अन्नपूर्णा, विजय नगर, मालवीय नगर सहित कई चौराहों पर एकतरफा ट्रैफिक है और पुलिस लगी है। गांवों से आने वालों को वापस लौटाना जा रहा है। पुलिस से ज्यादा सक्रिय नगर सुरक्षा समिति के सदस्य दिख रहे हैं, जो डंडे लिए खड़े हैं। एक वाक्या चिमनबाग पर हुआ, जहां नगर सुरक्षा समिति के सदस्यों ने कार रुकवा कर आगे बैठी पत्नी को पीछे बैठने को कहा। इस पर खूब बहस हुई।

## सब वैक्सीन एक... जो मिले, लगा लें

नई दिल्ली। नेशनल टेक्नीकल एडवायजरी ग्रुप ऑफ इम्युनाइजेशन अब सरकार से इस बात पर विचार कर रही है कि फिलहाल वैक्सीन की कमी के चलते जो भी मिले, वही वैक्सीन लोगों को लगा दी जाए। पहले और दूसरे डोज में अलग-अलग वैक्सीन लगाने में हिचक नहीं दिखाएं। अगर इस मिक्स वैक्सीन के नतीजे बेहतर आते हैं, तो इंग्लैंड और स्पेन का तरीका भारत में भी अपनाया जा सकता है। एडवायजरी ग्रुप का मानना है कि अगर इस तरह की लचीली नीति अपनाई जाती है, तो टीकाकरण अभियान की रफ्तार को बढ़ाया जा सकता है। इसका सबसे बड़ा फायदा ये भी होगा कि जो लोग वैक्सीन का दूसरा डोज ले लेंगे, उन्हें विदेश जाने में किसी परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। ऐसे में, सरकार अगर अलग-अलग वैक्सीन के उपलब्ध डोज भी लोगों को मुहैया करवाती है, तो इससे फायदा ही होगा। दलील दी जा रही है कि अलग-अलग कंपनियों के वैक्सीन में काबिनेशन का थोड़ा-बहुत ही फर्क है। अब इस मामले का फैसला सरकार को करना है कि लोगों को एक ही किस्म की दोनों डोज लगाई जाएं या जो भी उपलब्ध हो, उससे काम चलाया जाए।

## हर साल 90 करोड़ वैक्सीन बनाएगी भारत बायोटेक

नई दिल्ली। अगले चार महीनों में भारत बायोटेक कंपनी अपनी वैक्सीन उत्पादन क्षमता को बढ़ा कर एक करोड़ सतर लाख डोज तक पहुंचाने वाली है। कंपनी एक साल में 90 करोड़ डोज बनाने का लक्ष्य हासिल करना चाहती है। कंपनी की ज्वॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर सुचित्रा ईला ने बताया कि हम अपना टॉरगेट अक्टूबर महीने तक पा लेंगे। भारत बायोटेक की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए चार दूसरी कंपनियों ने भी साथ देने का वादा किया है।

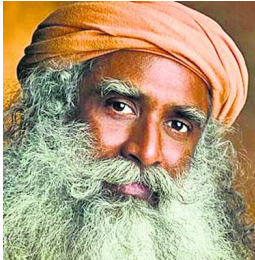
## इजरायल-फलस्तीन युद्ध रुका

तेल अबीब। इजरायल और फलस्तीनी आतंकियों के संगठन हमास के बीच ग्यारह दिन की लड़ाई के बाद संघर्ष-विराम हो गया है। इस दौरान 240 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। सबसे ज्यादा मौतें गाजा पट्टी में हुईं। इजरायल ने कहा कि ग्यारह दिन के युद्ध में उसे ज्यादा नुकसान हुआ है। इसके उलट, फलस्तीन ने कहा कि हमारा को फायदा हुआ है। संघर्ष-विराम की खुशी में फलस्तीनियों ने आतिशबाजी कर खुशी जताई। हमारा के एक अधिकारी ने कहा कि रात दो बजे शुक्रवार से युद्ध-विराम लागू हो गया।

## मंत्री ने ‘प्रचार का भूखा’ कहा

चेन्नई। तमिलनाडु में डीएमके सरकार के मंत्री पलानिवेल थियगराजन ने ईशा फाउंडेशन और उसके मुखिया जगगी वासुदेव पर निशाना साधा है। उन्हें प्रचार का भूखा बताया है। ईशा फाउंडेशन पर गड़बड़ियों का भी आरोप लगाया।

कोयंबटूर में बनी एक इमारत को अवैध बता रहे हैं। ये भी कहा कि जगगी वासुदेव, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हर बात पर उनका साथ



जगगी वासुदेव को मंत्री ने खरी-खोटी सुनाई

देते हैं। 2019 के एक वीडियो का भी जिक्र किया। तमिलनाडु में मंदिरों के हक को लेकर खींचतान मची रहती है। इसी पर जगगी वासुदेव की राय को लेकर मंत्री गुस्सा हैं। उन्होंने चार पेज का बयान जारी किया है। ये कहा कि मेरी उनसे कोई निजी दुश्मनी नहीं है, लेकिन जो गलत है... वो गलत है। कभी खुद भी ईशा फाउंडेशन से जुड़े थे, लेकिन अब बखिया उधेड़ रहे हैं।

## बच्चे के बिना ब्रिटेन नहीं...

नई दिल्ली। ओलिंपिक और विंबलडन की तैयारी के लिए सानिया मिर्जा इंग्लैंड जाना चाहती है। ब्रिटिश सरकार ने उनके लिए दरवाजे भी खोल दिए हैं, लेकिन बेटे इजहान के लिए मनाही है। खेल मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने इसे लेकर ब्रिटिश हाई-कमीशन से बात की है, लेकिन अभी भी मामला अधर में है। सानिया ने बेटे के बिना जाने से मना कर दिया है। कहना है कि दो साल के बच्चे को अकेला नहीं छोड़ सकती। ब्रिटिश सरकार ने सिर्फ खिलाड़ियों के लिए दरवाजे खोले हैं। सानिया, बेटे के साथ उसकी केयर-टेकर को भी ले जाना चाहती है। फिलहाल, जवाब नहीं आया है। सानिया टॉप्स स्क्रीम का हिस्सा है।



इंग्लैंड पर उलझन

## मिग गिरा, पायलट की मौत

अमृतसर। पंजाब में मोगा के पास भारतीय वायुसेना का फायटर जेट मिग-21 हादसे का शिकार हो गया। इस लड़ाकू विमान को ट्रेनी पायलट अभिनंदन चौधरी उड़ा रहे थे। हादसे में उनकी मृत्यु हो गई। वायुसेना ने हादसे की जांच के आदेश दिए हैं। वायुसेना के लड़ाकू विमानों में ज्यादातर मिग-21 ज्यादा हादसों के शिकार हुए हैं। ये रूस के बने हैं और पुराने पड़ गए हैं, फिर भी सेना कुछ विमानों का ट्रेनिंग में इस्तेमाल कर रही है। वायुसेना के मुताबिक जहां विमान गिरा, उससे काफी दूर पायलट अभिनंदन चौधरी का शव मिला। उनकी गर्दन टूट गई थी।

## नक्सलियों से मुठभेड़, 13 मारे

नागपुर। महाराष्ट्र के विदर्भ के गढ़चिरोली में नक्सलियों और कमांडो के बीच जबर्दस्त फायरिंग चल रही है। अब तक 13 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। पिछले कई दिनों से गढ़चिरोली के घने जंगलों में नक्सली, सुरक्षा बलों पर बड़े हमले की ताक में थे। पुलिस को मुखबिरों के जरिये खबर मिलने पर नक्सलियों की घेराबंदी की गई। जंगलों में सी-सिक्स्टी के कमांडो को उतारा गया। कमांडो ने फायरिंग कर तेरह नक्सलियों को मौत के घाट उतार दिया। कमांडो ने गुरिल्ला-वार की तर्ज पर नक्सलियों पर हमले को अंजाम दिया। जंगलों में मौजूद कई नक्सली भाग निकले।

## कहानी केरल की...

## और .अंत में

## मंदिरों का रखवाला... दलित मंत्री!

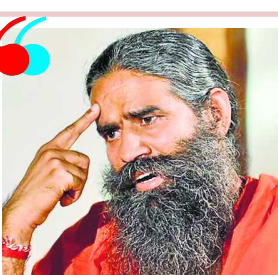
कोच्चि। दलितों को बराबरी का हक देने का दावा करने वाली सियासी पार्टियों के ढोंग पर केरल की वामपंथी सरकार ने करारा तमाचा जड़ा है। कल पिनरई विजयन ने मुख्यमंत्री बनने के बाद जिन मंत्रियों को शपथ दिलाई, उनमें दलित नेता कामरेड राधाकृष्णन को मंदिरों का वरिष्ठतम प्रबंधक नियुक्त किया है। उन्हें मंत्रिमंडल में देवस्वाम (देवस्थान) विभाग का मंत्री नियुक्त किया है।

अब केरल के सभी मंदिर इस दलित मंत्री की देखरेख में संचालित होंगे। अभी तक त्रावणकोर इलाके से जीत कर आने वाले किसी स्वर्ण नेता को ही देवस्वाम मंत्रालय सौंपा जाता था, लेकिन इस बार विजयन ने इस पद पर एक दलित नेता की नियुक्ति कर क्रांतिकारी कदम उठाया है। कामरेड राधाकृष्णन त्रिचूर जिले की चेलाककर सीट से 40



के. राधाकृष्णन

हजार वोट से जीत कर आए हैं। 2006 में वे विधानसभा अध्यक्ष भी रह चुके हैं। केरल, देश का पहला ऐसा राज्य है, जहां मंदिरों में दलित पुजारियों की भी नियुक्ति होती है। वहां पुजारियों का चयन परीक्षा के जरिये किया जाता है। जब केरल की रियासतों का भारत में विलय हुआ था, तो त्रावणकोर, कोच्चि समेत कई रियासतों ने ये शर्त रखी थी कि केरल और तमिलनाडु की सरकारें अपने राजस्व से पर्याप्त धनराशि इन देवस्थानों और गौवंश-संरक्षण पर खर्च करेगी। केरल के 2021 के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा ने सबरीमला मंदिर के मुद्दे को धुनाने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें जरा भी कामयाबी नहीं मिली। राधाकृष्णन के मंत्री बनने के बाद भी सबरीमला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश का मुद्दा उनके लिए चुनौती बन कर खड़ा रहेगा।



जो लोग कुंभ को कोरोना फैलने की वजह बता रहे हैं, उनसे मेरा कहना है कि ऐसी हरकतों से बाज आए। ऐसे लोग बेशक राजनीति करें, लेकिन हिंदू-धर्म को अपमानित नहीं करें। ये देश ऐसे लोगों को कभी माफ नहीं करेगा। देश के लोगों से कहना चाहता हूं कि ऐसे लोगों और ऐसी हरकतों का बहिष्कार करें।

□ रामदेव

(वही पतंजलि वाले, जिनकी दवा अटक है)



## रक्षक... दिलवाला

## सिपाही ने की गर्भवती की मदद...!

चेन्नई। कोरोना महामारी की वजह से देश के ज्यादातर हिस्सों में तालाबंदी है। जरूरी काम के लिए आवाजाही में लोगों को परेशानियों का सामना भी करना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला तमिलनाडु के छोट्टे से गांव त्रिवी का सामने आया है।

यहां के एजूमलाई गर्भवती पत्नी सुलोचना को लेकर पैदल ही सरकारी अस्पताल के लिए चल दिए। रास्ते में पुलिस ने पूछताछ के लिए रोका तो बताया कि पत्नी गर्भवती है। बच्चे के आने का वक्त करीब आ गया है। कोई वाहन नहीं मिला तो पैदल ही निकल पड़े। मौके पर मौजूद सिपाही अबू ताहिर ने गाड़ी का इंतजाम कर उन्हें अस्पताल पहुंचाया,



इनाम का पैसा भी दान किया।

जहां एक और परेशानी सामने आई कि सुलोचना को डॉक्टरों ने खून चढ़ाने की बात कही। ब्लड ग्रुप ओ-पॉजिटिव था। जब यह बात अबू ताहिर तक पहुंची तो उन्होंने फौरन खून दिया। कुछ देर बाद सुलोचना ने बच्चे को जन्म दिया। इसानियत के इस जब्बे की खबर जब पुलिस महकमे तक पहुंची तो अबू ताहिर को विभाग के दो अफसरों ने ग्यारह हजार रुपए नकद इनाम दिया। ताहिर फिर अस्पताल गए और इनाम में मिली रकम सुलोचना के पति को दे दी, जिससे इलाज में राहत मिल सके। एक ही इंसान ने एक ही दिन में एक ही परिवार की तीन बार मदद की, मानो कुदरत ने सुलोचना के लिए फरिश्ता भेज दिया था।



# खबर

इंदौर का कलेक्ट्रेट तिराहा अचानक ऐसा सील कर दिया गया है जैसे कोई हमला होने की आशंका हो। तीन दिन से शहर के इस मुख्य मार्ग से गुजरने वाले जमकर परेशान हैं। जेएमबी वाली गली में जाने पर पागनीसपागा की चौड़ी सड़क बंद मिलती है। एक पतली गली से ट्रैफिक चालू रखा गया है, जहां दोनों तरफ से आती गाड़ियां गुत्थमगुत्था होती हैं। यदि इलाका ऐसा ही सील करना है तो इस गली में भी जाने की इजाजत क्यों, जाम तो नहीं लगे, यहां भी बंद रखना चाहिए। खैर! अब तीन दूसरा, तीन दिन से महुनाका पर यही धमचक चालू है। अन्नपूर्णा जाने वाला हिस्सा दोनों तरफ से सील कर दिया गया है। रणजीत हनुमान रोड से आने वाली एक साइड चालू रखी गई है, जहां से दोनों तरफ के वाहनों को गुजरना है। यहां वे वाहन अन्नपूर्णा और रणजीत हनुमान की तरफ जाने के लिए परेशान होते हैं, जो दूसरी दिशाओं से आए हैं। चेकिंग ऐसी हो रही है जैसे आतंकवादी तलाशना हो। इंडस्ट्री हाउस तिराहा बीआरटीएस पर अचानक सड़क ब्लॉक कर दी गई। बहुत साधारण-सी बात है कि यदि यह नाकाबंदी इतनी जरूरी थी, तो दो महीने



से सड़क खुली हुई क्यों थी और अचानक ऐसा क्या हुआ कि सब बंद कर दिया। कोई भी सड़क का एक हिस्सा पूरी तरह खुला रहे आने-जाने के लिए तो लोगों को भी सुविधा और जांचने वालों को भी। कब कौन-सी सड़क किस तरह बंद हो जाएगी, अफसरों की सनक पर निर्भर है। केसर बाग ब्रिज चौराहा पर पुलिस का नायाब नमूना हंसाता है। दो-पहिया अलग लाइन से जाएंगे और चार पहिया अलग लाइन से। गनीमत है पैदलवालों के लिए लाइन नहीं लगवा रहे। यदि कोई जगह जाने के लिए खुली है, तो कोई भी गुजर सकता है। खास यह कि दोनों तरफ का ट्रैफिक इसी रास्ते से गुजरना है। पता नहीं ये प्रयोग कौन-सी काबिलियत दिखाता है। नित-नए तमाशों से लगता है इंदौर का प्रशासन या तो नासमझों के हाथ है या सताने का मजा लेने वालों के! जनता ने अपनी मदद के लिए नेता चुने हैं, जो पता नहीं अफसरों को कुछ कहने की हालत में क्यों नहीं हैं। ये वे जानें। यदि एम्बुलेंस को तेजी से जाना हो, तो वो कैसे समय पर पहुंचेंगे?



**कोरोना मरीजों को मुफ्त इलाज और राशन मिले**

इंदौर। आपदा प्रबंधन समिति में सभी सियासी दलों और जानकारों को शामिल किया जाए। कोरोना मरीजों को ऑक्सीजन, दवाइयां और उनका इलाज मुफ्त किया जाए। हर जरूरतमंद परिवार को राहत पहुंचाने के लिए मुफ्त राशन दिया जाए। यह मांग सीपीएम, सीपीआई, सोशलिस्ट पार्टी और लोकतांत्रिक जनता दल के नेताओं ने कमिश्नर दफ्तर पर दिए ज्ञापन में की। कामरेड अरुण चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ऐलान किया है कि राशन कार्ड वाले सभी परिवारों को मुफ्त राशन दिया जाएगा, लेकिन कई गांवों में इस आदेश की अनदेखी की जा रही है। ज्ञापन देने वालों में कैलाश लिम्बोदिया, अरुण चौहान, सी एल सरावत, सोहनलाल सुनाने, हरिओम सूर्यवंशी, रामस्वरूप मंत्री, लक्ष्मण वर्मा, भागीरथ कछुआ, सोहेल खान शामिल थे।

## कोरोना से निजात के लिए रानी सती दादी का पाठ

इंदौर। दुनिया को कोरोना महामारी से निजात मिले, इसके लिए संस्था अग्रमंच ने रानी सती दादी का मंगल पाठ रखा। घरों में रह कर संस्था से जुड़ी महिलाओं ने पाठ किया। दीपिका गोयल, प्रीति गर्ग ने बताया कि हल्दी, मेहंदी, जन्म, वरमाणा और चुनड़ी उत्सव मनाए गए। अनिता मित्तल, ममता गर्ग ने पाठ और भजन सुनाए। आशा अग्रवाल, रोशनी अग्रवाल, बबिता अग्रवाल, शैली अग्रवाल, सीमा अग्रवाल ने हिस्सा लिया।

## ऑक्सीजन खिदमत अभियान

इंदौर। अहमद रजा एजुकेशन सोसाइटी और जामिया फातिमा ने ऑक्सीजन खिदमत अभियान शुरू किया है। दोनों संस्थाओं ने 40 ऑक्सीजन सिलेंडर जुटाकर जरूरतमंद मरीजों तक पहुंचाए हैं। सचिव मोहम्मद शाहिद नूरी ने बताया कि खिदमत के सिलसिले में आरिफ मुल्तानी, अमान खान, असलम खान, शहजाद अहमद, आबिद अली, इरशाद भाई शामिल हैं

# मेहमान शिक्षकों के भरोसे देवी अहल्या यूनिवर्सिटी...

400 की जरूरत, 175 पढ़ा रहे , 25 से ज्यादा शिक्षक रिटायर्ड, 10 का निधन

इंदौर: नगर प्रतिनिधि। देवी अहल्या विश्वविद्यालय के लिए यह साल चुनौती भरा साबित होने वाला है। 25 से ज्यादा शिक्षक रिटायर्ड हो चुके हैं और 10 का निधन हो गया। यूटीडी के 22 टीचिंग विभागों में 400 से ज्यादा शिक्षकों की जरूरत है। फिलहाल 175 ही हैं। ए प्लस ग्रेड यूनिवर्सिटी अतिथि शिक्षकों के भरोसे चल रही है।

जल्द होगी नियुक्ति- मीडिया प्रभारी चंदन गुप्ता का कहना है कि आईएमएस के डॉ. निरंजन श्रीवास्तव के पास विभागों की जिम्मेदारी थी। डॉ. श्रीवास्तव आईएमएस में एजीक्यूटिव एमबीए के को-ऑर्डिनेटर भी थे। इसी के साथ प्रोफेसर पंकज सिंह चौहान आईएमएस के प्रोफेसर थे, जिनका कोरोना से निधन हो गया है। आईएमएस विभाग के लिए यह बड़ा नुकसान है। ईएमआरसी विभाग के डॉ. ललित इंगले डिजिटल, मार्केटिंग, एनिमेशन और टेक्निकल ग्राफिक्स पढ़ाया करते थे। रिटायर्ड कर्नल के. जे. चुघ का भी निधन हुआ है। फोटोग्राफी में काफी दक्षता थी। पहले ही यूनिवर्सिटी में शिक्षकों की कमी है, लंबे समय से नियुक्ति नहीं हुई है। ऐसे हालातों में किसी भी कर्मचारी या शिक्षक का



चला जाना यह संस्थान के लिए बड़ा नुकसान है। यूनिवर्सिटी में अभी 175 प्रोफेसर हैं। इसमें लेक्चरर और रीडर शामिल हैं। पहले भी कुछ प्रोफेसरों का निधन हो गया है। दूसरे प्रोफेसर और कर्मचारियों पर काम का दबाव बढ़ेगा। यूनिवर्सिटी के टीचिंग विभाग में 200 से ज्यादा पद खाली हैं। 20 से अधिक विभाग का सही संचालन करने के लिए 400 से अधिक शिक्षकों की जरूरत है। देखा जाए तो अतिथि शिक्षक और कॉन्ट्रैक्ट शिक्षकों के भरोसे काम किया जा रहा है। परमानेंट टीचर तो बहुत कम है। इन व्यवस्थाओं में बदलाव नहीं आने का कारण रोस्टर बदलता रहा है। इसके चलते काफी लंबा समय हो गया है। यूनिवर्सिटी के पास 8 जिले और बढ़ गए हैं। काम का भार बढ़ता जा रहा है। यूनिवर्सिटी में न शिक्षक बढ़ रहे हैं

न कर्मचारी बढ़ रहे हैं। इन सब बातों को देखते हुए अन्य शिक्षक और कर्मचारियों काम का दबाव बढ़ेगा।

इन शिक्षकों का हुआ निधन- डॉ निरंजन श्रीवास्तव, डॉ ललित इंगले, डॉ दिनेश वैष्णव, डॉक्टर आर.सी शर्मा, रिटायर्ड कर्नल प्रो. के.जे. चुघ, डॉ एके रामानी, डॉ रामेश्वर जाटवा, डॉ मनोहर चंदवानी प्रो.पवन सिंह चौहान का निधन हो गया है।

25 से ज्यादा शिक्षक रिटायर- डॉ.गणेश कांवंडिया स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, डॉ अनिल कुमार शर्मा, बायोटेक्नोलॉजी, डॉ दीपक भटनागर, बायो केमिकल, डॉ भुवनेश गुप्ता एकेडमिक स्टॉफ, डॉ के.के. पांडे केमिस्ट्री विभाग, राजेंद्र कुमार केमिस्ट्री विभाग, डॉ अशर्फीलाल शर्मा इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग, डॉ ए के दत्ता फिजिक्स विभाग, डॉ आनंद स्मै आईआईपीएस, डॉ. आर.के. व्यास आईआईपीएस, डॉ एस.पी सिंह एनजी विभाग, डॉ. रामा मिश्रा एजुकेशन विभाग, डॉ. पी.के. गुप्ता आईएमएस विभाग, डॉ दीपक कोल आईएमएस विभाग अन्य को मिलाकर 25 से अधिक शिक्षक रिटायर हो गए हैं।

## ...तो ऑफलाइन लगेगा टीका, वैक्सीन नहीं होगी खराब...

इंदौर : नगर प्रतिनिधि। अठारह साल से ज्यादा उम्र वाले जो ऑनलाइन स्लॉट में नंबर आने के बाद भी टीका लगाने नहीं पहुंच रहे हैं, अब उनकी वैक्सीन टीका सेंटर के आसपास वालों को लगाई जा रही है। ताकि दवा खराब न हो।

जब से अठारह साल से ज्यादा वालों को टीका लगना शुरू हुआ है, टीके का नंबर लगाने के लिए मशकत हो रही है। एप पर हेकर्स का कब्जा होने की बात भी कही जा रही थी। दिन-रात मशकत के बावजूद नंबर नहीं आने पर हल्ला मचा, तो तीन दिन से आम लोगों के नंबर लग रहे हैं। वैक्सीन सेंटर उतने ही डोज दिए जाते हैं, जितनों की बुकिंग होती है। इसमें भी जो लोग पंजीयन कराने के बाद भी टीका लगाने नहीं पहुंच रहे थे, उनकी बची वैक्सीन का अभी तक कोई इंतजाम नहीं था।

सेहत अमला बची वैक्सीन को लेकर शिकायत कर रहा था। तय किया गया कि वैक्सीन बचेगी तो उसे सेंटर के आसपास रहने वालों को लगाई जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की जरूरत नहीं होगी। नई व्यवस्था के बाद दो दिन से कोई डोज नहीं बच रहा है। वैक्सीन सेंटर का अमला बचे डोज के

## दो दिन से बदले इंतजाम



## तेरह हजार को लगा टीका

कल अठारह साल से ज्यादा वाले तेरह हजार पांच सौ सत्तर लोगों को टीका लगाया गया। पैतालीस से ज्यादा उम्र के 1693 को पहला और 943 को दूसरा डोज लगा। साठ साल से ज्यादा वालों में 564 को पहला और 581 को दूसरा डोज लगा। इंदौर में अभी तक छह लाख 98 हजार 691 को पहला डोज और दो लाख चार हजार 755 को दूसरा डोज लग चुका है। अठारह साल से ज्यादा वालों में 58 हजार 10 को टीका लग गया है। आज भी टीके लगेगे।

## फोन किया, नहीं आए

टीकाकरण प्रभारी डॉ. प्रवीण जड़िया का कहना है कि अठारह साल से ज्यादा वालों की स्लॉट बुकिंग के बाद ही जो टीका लगाने नहीं आ रहे थे, उनकी बची वैक्सीन के लिए पहले उन्हें फोन लगाते हैं, उसके बाद भी नहीं आते हैं, तो सेंटर के आसपास वालों को टीका लगा रहे हैं, ताकि वैक्सीन का नुकसान न हो। दो दिन से यह इंतजाम शुरू किए गए हैं।

लिए आसपास के इलाके के लोगों से संपर्क कर उन्हें लगाने लगा है।

इंतजाम अलग-अलग- वैक्सीनेशन के लिए निजी और सरकारी जगह को लिया गया है। खंडवा रोड के क्वींस कॉलेज में टीका लगवाने जाओ, तो अहसास होता है कि किसी हाईटेक जगह पर आए हैं। टीका लगाने वालों से लेकर सर्टिफिकेट देने वाले तक सुविधाओं से लेस हैं। आते ही इंद्री होती है और टीका भी लग जाता है। थोड़ी देर रुकने के लिए हवा-पानी का भी इंतजाम है। काम निपटते ही प्रिंटर से सर्टिफिकेट भी दे दिया जाता है। वहीं इसी रोड पर आगे तेजाजी नगर के मिडिल स्कूल में टीका लगवाने पर जालियों के बाहर से इंद्री कराना पड़ती है। इसके बाद टीके के लिए एप में बुलाया जाता है। ऑब्जर्वेशन के लिए भी छोटा सा कमरा है। काम निपटने के बाद सर्टिफिकेट नहीं मिलता, बल्कि कहा जाता है कि मोबाइल पर संदेश आ गया है। इसी से प्रिंट निकाल लें। हमारे पास प्रिंटर नहीं है।

# नतीजा तैयार... नब्बे फीसद से ज्यादा...

इंदौर: नगर प्रतिनिधि। देर से ही सही, नवीं-ग्यारहवीं के छात्रों के लिए इस साल का रिजल्ट सबसे बेहतर रहेगा। नवीं-ग्यारहवीं की तैयार हो चुका है और दसवीं का एक हफ्ते में बन जाएगा। इस बार दो परीक्षाओं के साथ छात्रों को दो मौके और दिए गए। जो छात्र बुलाने पर नहीं आए, वे ही फेल होंगे। इंदौर में नवीं में 15 हजार, दसवीं में साढ़े नौ हजार और ग्यारहवीं में साढ़े दस हजार छात्रों के नाम स्कूल में हैं। इनमें से दो से ढाई हजार ने कोई परीक्षा नहीं दी। डीपीआई ने रिवीजन टेस्ट और छह माही परीक्षा में से जिसमें ज्यादा नंबर हो, उसी के मुताबिक रिजल्ट तैयार करने को कहा। इन दोनों में भी जो गैर हाजिर रहे, उन्हें



## नवीं-ग्यारहवीं तैयार, दसवीं का बन रहा...

मासिक, छहमाही और रिवीजन टेस्ट में छात्र का प्रदर्शन देखा और उसी के मुताबिक ग्यारहवीं का रिजल्ट बनाया है। इसके बाद भी दो बार छात्रों को स्कूल बुलाया। दो से ढाई हजार नहीं आए, किसी ने लिखकर दिया कि हम पढ़ना नहीं चाहते। इस बार 90 फीसद से ज्यादा छात्रों के पास होने की उम्मीद है। दसवीं में भी इस बार ज्यादा छात्र पास होंगे। ■ नरेन्द्र कुमार जैन, परीक्षा और माध्यामिक शिक्षा अभियान प्रभारी

स्कूल बुलाकर परीक्षा ली गई। हर स्कूल ने छात्रों को आने के दो मौके दिए गए। इसके बाद भी छात्र नहीं आया तो गैरहाजिर मानकर फेल का रिजल्ट बनाया।

सबसे बेहतर रहेगा रिजल्ट- हमने रिजल्ट बनाया।

## एयर इंडिया भी फ्लाइट बंद करने की तैयारी में...!

इंदौर: नगर प्रतिनिधि। इंदौर से दो दिन पहले इंडिगो एयरलाइंस ने अपनी तमाम उड़ानें बंद करने का फैसला लिया था। एयर इंडिया भी जल्द इंदौर से उड़ानों में कटौती करने की तैयारी कर रहा है। यात्रियों का टोटा हो गया है। इंडिगो एयरलाइंस ने इंदौर से चलने वाली 12 उड़ानों को धीरे-धीरे बंद कर दिया है। एक हफ्ते तक हर दिन तीन से चार उड़ानें थीं।

इंदौर एयरपोर्ट से बाकी शहरों को जोड़ने का दायरेदार एयर इंडिया पर था, लेकिन उसमें दिल्ली और मुंबई के लिए यात्री नहीं मिलने के कारण हफ्ते में सिर्फ तीन दिन ही इन उड़ान को इंदौर से भेजा जा रहा था।

कल तो सिर्फ बीस फीसद यात्रियों के साथ ही इंदौर से उड़ान गई। मंगलवार को इंदौर से दिल्ली की आखिरी फ्लाइट में भी यात्री नहीं थे। सभी एयरलाइंस ने हाथ पीछे खींच लिए हैं। ट्रेवल एजेंटों का कहना है लोक-डाउन के कारण जिन लोगों ने टिकट बुक कर लिए थे, वे भी अपना पैसा वापस मांग रहे हैं। इस कारण एयरलाइंस को खाली नुकसान उठाना पड़ रहा है। यदि 40 फीसद से कम यात्री प्लेन में सवार होते हैं तो वह उड़ान एयरलाइन को मोटा नुकसान देती है।



## यात्रियों के टोटे से कमर टूटी

कल तो सिर्फ बीस फीसद यात्रियों के साथ ही इंदौर से उड़ान गई। मंगलवार को इंदौर से दिल्ली की आखिरी फ्लाइट में भी यात्री नहीं थे। सभी एयरलाइंस ने हाथ पीछे खींच लिए हैं। ट्रेवल एजेंटों का कहना है लोक-डाउन के कारण जिन लोगों ने टिकट बुक कर लिए थे, वे भी अपना पैसा वापस मांग रहे हैं। इस कारण एयरलाइंस को खाली नुकसान उठाना पड़ रहा है। यदि 40 फीसद से कम यात्री प्लेन में सवार होते हैं तो वह उड़ान एयरलाइन को मोटा नुकसान देती है।

## वेब डिजाइनिंग की मुफ्त ट्रेनिंग...

इंदौर। इंदौर इंस्टीट्यूट आफ साइंस एंड टेक्नालॉजी ने बारहवीं की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों के लिए वेब डिजाइनिंग एंड डेवलपमेंट का सात दिनी आनलाइन ट्रेनिंग कम प्रतियोगिता रखी है। कोरोना महामारी और तालाबंदी में बढ़ते तनाव से ध्यान हटाने के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। विद्यार्थियों को एचटीएमएल, सीएसएस, जावा, पायथॉन, एसक्यूएल और प्रोजेक्ट डेवलपमेंट की ट्रेनिंग दी जाएगी। आखिरी में प्रतियोगिता होगी। करीब एक लाख रुपए तक के नकद इनाम दिए जाएंगे। अभी तक पच्चीस सौ विद्यार्थियों ने रजिस्ट्रेशन करवाया है।

## घर बैठे दर्शन

इंदौर। प्रभु तुम भी ताले में, हम भी ताले में, ऐसा अतिशय कर दो ना, सब आ जाए एतिलाल्य में...। इस तरह की प्रार्थना परसों सुबह आठ बजे एक साथ घरों में की जाएगी। दिवांबर जैन समाज युवा महिला प्रकोष्ठ इंदौर ने घर बैठे जैन मंदिरों के आनलाइन दर्शन का इंतजाम किया है। राहुल सेठी, कल्पना सुनील जैन, वर्षा राजकुमार काला ने बताया कि आईटी टीम की सलौनी जैन और अदिति जैन ने तैयारी की है। नेमावर में मौजूद आचार्य विद्या सागर महाराज की महामांगलिक पूजा को भी सुनील भैया की मदद से लाइव दिखाया जाएगा।

## पल्स ऑक्सीमीटर बांटेंगे

इंदौर। अग्रसेन महासभा ने तय किया है कि समाज के ऐसे लोग जो कोरोना की चपेट में आ गए हैं, उन्हें पल्स ऑक्सीमीटर दिए जाएंगे। कार्यकारी अध्यक्ष राजेश बंसल पंप, सचिव राजेश जितल, अजय आलुवाले ने बताया कि संस्था ने एक हजार पल्स ऑक्सीमीटर खरीदे हैं। मरीजों को घर जाकर ये मुफ्त दिए जाएंगे। संस्था ने अभी तक 883 लोगों का सीटी स्कैन रियायती दामों पर करवाया है।


## पांच सौ परिवारों को अनाज

इंदौर।इंदौर जैन समाज ने जरूरतमंद परिवारों तक राशन पहुंचाने की योजना बनाई है। समन्वयक जैनेश झांझरी, शैलेष वेद ने बताया कि पहले दौर में करीब पांच सौ परिवारों को पंद्रह दिन का राशन देंगे।

## दुकान सील कराई तो प्रधानमंत्री को टवीट

इंदौर : नप्र। खातीवाला टैंक की दुकान को लेकर अब खींचतान और बढ़ गई है। दुकान खुलवाने के लिए मालिक ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है। नंदवंशी दुध, दही भंडार को तीन दिन पहले सील कर दिया था। पार्षद पीत जवाहर मगवानी से कहासुनी हो जाने पर दुकान सील हुई थी और पूर्व पार्षद सरिता मगवानी ने जूनी इंदौर थाने में केस दर्ज कराया था। दुकानदार बंशीलाल यादव ने मोर्चा खोल लिया है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टवीट करते हुए लिखा है कि इंदौर के खातीवाला टैंक (वाई 65) में मेरी दुकान है जिसे अधिकारियों ने सील कर दिया है। मेरी दुकान को खुलवाने का कष्ट करें। ऐसा ही टवीट मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भी किया है। बंशीलाल के आरोप लगाया था कि नेता से झगड़ा होने के कारण उसका नुकसान हुआ है।

॥ शोक संदेश ॥



मेरे पूज्य पिताजी **श्री विनोद कंसल** (वरिष्ठ अकिमाषक, इन्दौर) का देवलोकागमन दिनांक 18 मई 2021 को हो गया है।

ईश्वर से यही प्रार्थना करें कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दे दें।

वर्तमान में कोरोना काल की परिस्थिति को देखते हुए कृपया सिर्फ वादसपण द्वारा ही अपनी श्रद्धांजलि दें।

ॐ शोकाकुल ॐ

पुत्र : पीयूष कंसल (अकिमाषक, म.प्र. उच्च न्यायालय इंदौर)

धर्मपत्नी : श्रीमती सुमित्रा कंसल

पुत्रवधु : श्रीमती नूपुर कंसल, पुत्र : देवश कंसल एवं सर्वज्ञ कंसल,

पुत्री : श्रीमती प्रिया अग्रवाल, दामाद : श्री अमित कुमार अग्रवाल, नातिन : नूपुर अग्रवाल

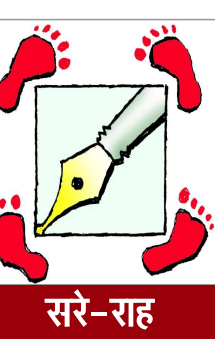
ससुराल पक्ष : डॉ. श्री हरीश-श्रीमती तरु गुप्ता

श्री कैलाश-श्रीमती नीरु गुप्ता, श्री महेश-श्रीमती उमा गुप्ता, डॉ. ऋषि गुप्ता, श्री आयुष गुप्ता, श्री सुयष गुप्ता

मोबाईल : 98930 12526, 97545 22355

अखबार बांच रहे मधुसूदन बड़ा गणपति मुहाने कलपे- दस-बारह दिन और मुसीबत झेलना, किराना-विराना भी बंद...! बरस भर से कोरोना को भगाने के लिए प्रार्थना में लगे पंडित मुकेश शर्मा ने कहा- भय्या रे, उसकी लीला वो ही जाने, पता नहीं क्या-क्या देखना बंधा नसीब में...! मंडी से खाली लौट रहे मंगल सिंह ने खुद की हांकी- 28 तक बंद, हो सकता 1 तरीख से खुल जाए...! दोस्त के जन्मदिन पर बेजुबानों का पेट भर रहे इंचुरकर पंथी राजकुमार पुल पर बोले- अनोखी घड़ी चल रही, इनका ही लिए-दिए आड़े आता ऐन वक्त पर...! कोरोना-काल में कई अपनों को छो चुके कवि दिलीप मिश्रा ने लाख गम बाद भी मालवा मिल मुक्तिधाम आगे जिंवादिती दिखाई- अश्क छुपाए नहीं छुपते, इनका बहना जरूरी प्यारे...! विजय नगर की बैंक बाहर मुस्तैद गार्ड महेंद्र तिवारी

ने सैनियाइजर कूड़ते हिदायत दी...! अंतिम चौराहे से भोजन-पैकेट की जुगाड़ कर घर जा रहे हम्माल-साथी ने नाम न छापने के वादे पर बताया- पता नहीं तकदीर में क्या लिखा, दिन भर में हजार-आठ सौ कमाना मामूली बात थी..., सेठ लोगों ने जितनी उम्हने भी हाथ टेक दिए..., घरवाली ने जितना बुलाया। दो से ढाई हजार नहीं आए, किसी ने लिखकर दिया कि हम पढ़ना नहीं चाहते। इस बार 90 फीसद से ज्यादा छात्रों के पास होने की उम्मीद है। दसवीं में भी इस बार ज्यादा छात्र पास होंगे। ■ नरेन्द्र कुमार जैन, परीक्षा और माध्यामिक शिक्षा अभियान प्रभारी



जोड़ रखा था, खा-पीकर बराबर..., बोलने में शर्म आती बच्चों का भीख मांग कर पेट भरना पड़ रहा..., अगर बाजार एक तरीख से नहीं खुला तो हम जैसे बेमौत मर जाएंगे...! किराना दुकान वाले कलम अग्रवाल ने हुकुमचंद कॉलोनी में कहा- मोहल्ले के ईमानदार दिक्कत में, उन्हें बिलखते कैसे देखूं, जैसी मदद हो, कर रहा..., हजारों रुपए की उधारी हो गई लोगों पर, जब आएंगे, दे ही जाएंगे बेचारे...! ■ टहलराम





# दस दिन सख्त कर्फ्यू... सब्जी के लिए टूट पड़े

दस दिन का सख्त कर्फ्यू आज सुबह से शुरू हो गया। पुलिस ने तमाम रास्तों पर जहां रोक लगा दी, वहीं आने-जाने वालों से कड़ी पूछताछ भी हुई। इससे पहले कल जैसे ही शाम को आदेश निकले, लोग सब्जी के लिए टूट पड़े। चोड़थराम मंडी के बाहर भीड़ लग गई, वहीं बाकी शहर में भी सब्जीवालों की पूछपरख बढ़ गई। मौका देखकर सब्जीवालों ने भाव भी बढ़ा दिए।

**इंदौर : नगर प्रतिनिधि।** सुबह कुछ सब्जी वाले मंडी खरीदारी के लिए भी पहुंचे। हालांकि ज्यादातर किसान आज माल लेकर ही नहीं आए, लेकिन जिन सब्जी वालों की किसानों से सीधी बातचीत है, उन्होंने शहर के आसपास के किसानों को अलसुबह मंडी की बजाय इधर-उधर गलियों में बुलाया और सब्जी ले आए। सुबह से सब्जी के ठोंगों पर खरीदारों की भीड़ लगने लगी। ठेले वाले गलियों में पहुंच गए थे। दाम भी बढ़ा दिए। हरी सब्जी के साथ ही आलू-प्याज की कीमत भी बढ़ा दी। दस दिन मंडी बंद रहने की आवाज लगाते हुए सब्जियां बेचीं। कनाड़िया रोड पर रोज सुबह से कई ठेले लग जाते हैं, जो आज सड़क की बजाय गलियों में थे। खरीदारों की भीड़ थी। कल रात भी यहां भीड़ थी। साकेत नगर में फल और सब्जी के ठेलों पर भीड़ थी। श्रीनगर में भी यही नजारा था। सख्त कर्फ्यू के आदेश होते ही हर चौराहे पर सख्त पूछताछ हो रही है। लोग बहाने बनाते नजर आए। आनंद बाजार में गेहूं लेकर जा रहे व्यक्ति का कहना था कि सरकारी राशन लेने निकला था। हालांकि इतनी सुबह राशन दुकान खुलती नहीं है। मगर बहानेबाजी होती रही। नगर निगम और पुलिस की गाड़ी सब्जीवालों को समझाश देने निकली थी। कनाड़िया रोड, बंगाली चौराहा, तिलक नगर की गलियों में सायरन बजाती रही।

## मंडी में मोहलत की कोशिश करते रहे

**इंदौर. नगर प्रतिनिधि।** मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के रवाना होते ही कलेक्टर मनीषसिंह ने चोड़थराम मंडी 28 मई तक बंद करने का जैसे ही कल शाम फैसला किया, सब्जी और फल व्यापारियों में हड़कंप मच गया। व्यापारियों ने नेताओं तक बाद पहुंचाई कि एक दिन की मोहलत तो देना चाहिए, लेकिन वे कामयाब नहीं हो पाए।

व्यापारियों को कलेक्टर का आदेश निकलने के पहले ही भनक लग गई थी कि मंडी बंद करने का फैसला होने वाला है। इसीलिए उन्होंने कोशिश की और यह भी बतलाया कि तुरंत-फुरत के आदेश से किसानों और व्यापारियों का बड़ा नुकसान हो जाएगा। शाम को कुछ किसान जहां सब्जी लेकर पहुंच गए थे, वहीं कई गाड़ियां बाहर से आ रही थीं, जो आधी रात को इंदौर पहुंचने वाली थीं। फल और सब्जी की इन गाड़ियों का क्या करेंगे, इसे लेकर व्यापारी घबराहट में थे। आखिरकार जब लगा कि बात नहीं बन रही, तो मंडी खाली होना शुरू हो गई।

पुलिस और प्रशासन के अफसरों ने सूरज ढलते ही मंडी गेट पर मोर्चा संभाल लिया था। आदेश दे दिए गए कि जल्दी से जल्दी सामान बाहर निकाल लो। इसके बाद जहां कोई गाड़ी भीतर नहीं जा सकी, वहीं अंदर खड़ी गाड़ियों के बाहर निकलने का सिलसिला शुरू हो गया। इस दौरान आम लोग भी सब्जी खरीदने पहुंच गए।

### कामयाबी नहीं मिली तो सामान निकाला

पहले से सूचना नहीं होने के कारण मंडी में नियमित आने वाली फल-सब्जी की गाड़ियों के लिए समस्या खड़ी हो गई तो व्यापारिक संगठन मंडी प्रशासन से बातचीत के लिए पहुंचे और समय की मांग की, लेकिन किसी की एक न चली। मंडी प्रभारी **प्रदीप जोशी** ने कहा कि कलेक्टर के आदेश हैं, मंडी खाली करवाना है। मंडी तो प्रशासन ने खाली करवा ली, लेकिन मंडी के पीछे अस्थायी मंडी लग गई और वहां फल-सब्जी के सौदे सुबह 6 बजे तक होते रहे। व्यवसायी **जय सावलानी** ने बताया कि मंडी में लगभग ढेड़ सौ छोटी-

बड़ी गाड़ियां रोजाना आती है। बंद के आदेश से व्यापारियों में घबराहट के साथ चिंता थी कि माल खराब हो जाएगा। गाड़ियां कहां खाली करवाएंगे, कैसे बेचेंगे। प्रशासन को बंद करना ही था तो व्यापारियों-किसानों के नुकसान के बारे में सोचना चाहिए। पहले सूचना दे देते तो नुकसान से बचा जा सकता था। गुरुवार रात बंद के आदेश आए, शुक्रवार को तो माल बेचने देते, शनिवार-रविवार को वैसे भी मंडी बंद रखने के पहले से आदेश है।

**महू मंडी बंद... खेत में बेचीं सब्जियां-महू-**डोंगरगांव मंडी बंद हो गई है, जिसके बाद किसानों ने मंडी के पीछे खेत में सब्जी और फल बेचना शुरू कर दिए। बड़ी तादाद में लोग खरीदी करने आए। जमकर कोरोना गाइड लाइन की धज्जियां उड़ी। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो किसी ने उस पर ध्यान नहीं दिया।

## मंच पर कोरोना को ठेंगा

**इंदौर : नप्र।** माइक पर विधायक समझा रहे हैं कि सोशल डिस्टेंसिंग का पालन क्यों जरूरी है। क्राइसिस कमेटी से उम्मीद की जाती है कि वो जनता के बीच जाकर कोरोना के कायदों की समझाश दे, लेकिन



मंच पर इसे ठेंगा दिखा दिया। कोरोना क्राइसिस कमेटी की बैठक में कोरोना प्रोटोकॉल की ऐसी तैसी। कुर्सियां दूर दूर लगी थीं, मगर मंडल अध्यक्ष इन्तियाज मेमन ने फोटो में आने के लिए अपनी कुर्सी खींच कर दोनों पूर्व पार्षदों उस्मान पटेल और रबीना खान के बीच कर ली।

## काउंटर बंद, बिल कैसे भरें

**इंदौर : नप्र।** बिजली विभाग के ओपीएच साउथ जोन के उपभोक्ता कैश काउंटर नहीं खुलने से परेशान हैं। आनंद गहलोत ने बताया कि द्वारकापुरी में रहता हूं। वहां से हाथीपाला साउथ जोन में आना-जाना मिलाकर 10 किलोमीटर से ज्यादा हो जाता है। दुकान सियागंज में होने की वजह से बिल भरने के लिए आया हूं। ऐसे हालातों में घर से निकलना जोखिम भरा है। रवि साल्वे का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगने से घरों का बिल तय समय के अनुसार नहीं भरा तो बिजली अपने आप कट जाती है। बिजली विभाग के कर्मचारी कई बार लाइन चालू करने की लिए पैसे की मांग करते हैं। इन परेशानियों से झूटकारा पाने के लिए बिल भरना है। उपभोक्ता गलत हो तो तुरंत कार्रवाई की जाती है, लेकिन कर्मचारी लापरवारी बरतते हैं तो कार्रवाई नहीं होती। कर्मचारी को नहीं पता कब खुलेगा दफ्तर-ओपीएच साउथ जोन के लाइनमेन का कहना है कि हमें ही नहीं पता केस काउंटर कब तक खुलेगा। अधिकारियों से बात करो। ओपीएच साउथ जोन के एई सिध्दार्थ भूमौरी का कहना है कि कोरोना को देखते हुए कम स्टाफ के साथ काम किया जा रहा है। केस काउंटर सुबह 9 से 12 बजे तक खुल रहे हैं। ज्यादातर उपभोक्ता 12 बजे बाद आते हैं, तो काउंटर बंद मिलता है।

### काउंटर बंद होने से नहीं भरा रहे बिल

## सीएम के बाद प्रदेश अध्यक्ष, संगठन मंत्री शहर में...!

**इंदौर : नगर प्रतिनिधि।** मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कल इंदौर के हालात पर अफसर और जन प्रतिनिधियों से बात की। आज प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा और संगठन मंत्री सुहास भगत दीनदयाल दफ्तर आ रहे हैं। जहां वे भाजपाइयों से बात करेंगे। बैठक में नेताओं को अकेले बुलाया गया है और गाड़ी भी दफ्तर से दूर रखने को कहा गया है। ताकि पता न चले कि बैठक चल रही है। दीनदयाल दफ्तर पर भाजपा कोर कमेटी के नेता रोजाना दोपहर 12 से 2 बजे तक बैठते हैं। सूत्र बता रहे हैं कि आज प्रदेश अध्यक्ष और संगठन मंत्री इंदौर होकर दूसरे जिले में जा रहे हैं। यहां भी क्रायसिस कमेटी की बैठक रख ली गई है। कोर ग्रुप के सदस्य तो रहेंगे ही पूरे जिले के बड़े नेताओं को बुलाया गया है। दीनदयाल दफ्तर से नेताओं को फोन लगाकर कहा गया है कि वे दफ्तर अकेले आएंगे। पीए और गनमैन भी गाड़ी के साथ दफ्तर से दूर रहेंगे। मंशा है कि बैठक के बारे में बाहर खबर न हो। बताया जा रहा है कि कोरोना को लेकर शहर और गांव में बने हालात पर बात होगी। संगठन की मंशा प्रदेश अध्यक्ष रखेंगे।

### बिना सुरक्षा के लाश ले आए एंबुलेंस से

**इंदौर : नप्र।** गांधीनगर में आज सुबह एक व्यक्ति की मौत हो गई और एंबुलेंस (एम.पी. 11-एल. 0182) से लाश आई तो ड्राइवर-क्लीनर ने सुरक्षा के उपाय नहीं किए थे। गिरधारी प्रजापति ने बताया कि न तो ग्लब्स पहने थे और उन्होंने पीपीई कीट पहन रखी थी। परिवार वालों को लाश खोलकर भी दिखा रहे थे, जिससे कोरोना फैलने का खतरा है। पूछने पर ड्राइवर-क्लीनर बोले, हम तो रोजाना ऐसे ही काम करते हैं।

### दीनदयाल दफ्तर पर अकेले बुलाया



इंजेक्शन चाहिए...! बीमार पति के लिए इंजेक्शन की गुहार लगाने महिला कल बेटे को लेकर कलेक्टर दफ्तर पहुंच गई। वो पुलिस से हाथजोड़कर गुजारिश कर रही थी कि मुख्यमंत्री से मिलवा दो।

## सब्जी पर रोक... रजिस्ट्री चालू

**इंदौर. नगर प्रतिनिधि।** कोरोना महामारी की चेन तोड़ने के लिए आज से सख्त लॉकडाउन लागू हो गया है। हरी सब्जी तक नहीं बिक पाएगी, मगर रजिस्ट्री पर कोई पाबंदी नहीं है। यदि कोई रजिस्ट्री कराना चाहता है, तो दफ्तर पहले की तरह ही खुले रहेंगे। कोरोना कर्फ्यू में सब-रजिस्ट्रार ऑफिस खोलने पर वकील ऐतराज उठा रहे थे, वहीं कुछ लोगों का

कहना था कि बहुत सारी बंदिशें हटी हैं, इसलिए रजिस्ट्री को भी शुरू किया गया है। ऐसे में गफलत थी कि कल शाम सख्त लॉकडाउन के आदेश के बाद रजिस्ट्री का क्या होगा। सीनियर डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार बालकृष्ण मोरे ने बताया कि सब-रजिस्ट्रार दफ्तर पहले की तरह खुलेंगे और रजिस्ट्री भी होगी। सब-रजिस्ट्रार ऑफिस बंद करने को लेकर आदेश नहीं हैं।

## ब्लैक फंगस मरीजों में पुरुष ज्यादा

**इंदौर : नप्र।** ब्लैक फंगस के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। सूत्रों के अनुसार इंदौर जिले में ये आंकड़ा तीन सौ पार कर चुका है।बड़े अस्पताल में ही 140 मरीज भर्ती हो चुके हैं और वार्डों की संख्या बढ़ाकर छह करना पड़ी है। पहले सिर्फ दो को ही म्यूकर वार्ड बनाया गया था। अभी तक किसी भी मरीज के डिस्चार्ज होने की खबर नहीं आई है। एमजीएम कॉलेज के डीन डॉ. संजय दीक्षित ने बताया कि आज एम्फोटेरेसिन बी के लगभग चार सौ वायल मरीजों के लिए आ रहे हैं। प्रायवेट अस्पताल में भर्ती मरीजों को कितने डोज दिए जाएंगे, अभी ये तय नहीं हुआ है। चौकाने वाली बात है कि ब्लैक फंगल का शिकार ज्यादातर पुरुष मरीज हो रहे हैं। अभी तक बड़े अस्पताल में पांच की मौतें हुई हैं और चार को अपनी आंखें खोना पड़ी हैं। प्रायवेट अस्पतालों में जो मरीज भर्ती हैं उनमें कितने मरीजों की मौत हुई है और कितनों की आंखों का म्यूटेेशन करना पड़ा है, इसकी जानकारी छुपाई जा रही है। डॉ. सलिल भार्गव का ये कहना है कि ऐसे मरीज जिनमें डायबिटीज है और जिन्हें कोरोना हो चुका है, इस बीमारी से बचने के लिए जरूरी है कि सड़े पानी से दिन में कई बार अपनी नाक साफ करें और साफ मास्क ही पहनें। देखने में ये आ रहा है कि जिनकी इम्युनिटी कम है, उन्हें ये ब्लैक फंगस हो रहा है। ब्लड, शुगर को नियंत्रण में रखें।

### और ।अंत में

### सीएम के ऐलान से उठे सवाल

# बगैर कोरोना-जांच मौत पर कैसे मिलेगा मुआवजा!

**इंदौर : नगर प्रतिनिधि।** मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कल ऐलान किया कि कोरोना के कारण जान गंवाने वालों के परिवार को एक लाख रुपए मदद दी जाएगी, मगर सवाल ये है कि जिनकी कोरोना जांच नहीं हुई और मौत हो गई, उनके परिवार को कैसे मुआवजा मिलेगा।

बीते दिनों देखा गया कि तमाम शवों का कोरोना गाइड लाइन से अंतिम संस्कार तो किया गया, मगर उनकी कोरोना-जांच नहीं हुई थी। सवाल ये है कि सरकार इन्हें कोरोना से मरा हुआ कैसे मानेगी। इसी तरह कई लोग ऐसे रहे जिन्हें कोरोना हुआ था और फिर रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद मौत हो गई। इनके मुआवजे पर भी सवाल खड़ा हो गया है। सूत्र बताते हैं कि मृतक संख्या कम दिखाने के लिए कई मरीजों को कोरोना पॉजिटिव नहीं बताया गया। अब उनके लिए परेशानी खड़ी हो जाएगी।

### मृतकों के आंकड़े हमेशा कम बताए

सरकारी आंकड़े में मृतकों की संख्या 1 हजार 294 बता रहे हैं, जबकि हकीकत तो ये है कि मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एक महीने में एक हजार से ज्यादा

मौत हुई हैं। एमटीएच अस्पताल में ये आंकड़ा लगभग साढ़े आठ सौ है, एमआरटीबी और न्यू चेस्ट सेंटर में भी तीन सौ से चार सौ मौतें हुई हैं। सूत्रों की मानें तो कोरोना की दूसरी लहर में मरने वालों का आंकड़ा लगभग चौदह हजार के आसपास है, लेकिन सरकारी आंकड़ा सच्चाई नहीं दिखा रहा। मौतों की संख्या छुपाने के लिए मरीज के सैंपल नहीं लिए गए और बाद में उसकी मौत को संदिग्ध बता दिया गया। सवाल ये है कि शासन ऐसे मृतकों के लिए, जिन्हें संदिग्ध माना

गया, क्या गाइड लाइन जारी करेगा। क्या उनके परिजनो को भी मदद के दायरे में रखा जाएगा।

### सैंपल लिए बगैर गई जान

सिर्फ अप्रैल की बात करें, तो मुकेश (47), लूनीयापुरा 11 अप्रैल को, गोपाल (37), विदुर नगर 2 मई को, शेख शब्बीर (40), ग्रीन पार्क कालोनी 11 मई को, कृष्णा (62), अंबिकापुरी 9 मई को, चंद्रकला (40), हरिजन मोहल्ला पत्तासिया 6 मई की मौत हुई। सभी की रिपोर्ट

## कोरोना-मृतकों की जानकारी जुटाएंगे कांग्रेस विधायक

मुख्यमंत्री ने कोरोना की दूसरी लहर में जिनकी मौत हुई है, उनके परिवारों को एक लाख रुपए देने की बात कही है। इस पर कांग्रेस विधायक संजय शुक्ला मरने वालों की जानकारी जुटाने के लिए दफ्तर खोल रहे हैं। शुक्ला का कहना है कि कल से उनके निवास पर दफ्तर खोला जाएगा, जहां इंदौर में कोरोना से जान गंवाने वालों का पंजीयन करेंगे। ऐसे लोगों के दस्तावेज जमा कर राज्य सरकार के सामने उनके परिजनो की सहायता के लिए एक लाख रुपए का दावा किया जाएगा। सरकार की इस घोषणा का फायदा लोगों को मिले, इसके लिए टीम काम करेगी। हालात यह हैं कि कोरोना से दस की मौत हुई है, लेकिन प्रशासन ने एक को ही गिनती में लिया है। ऐसे में उन परिवारों को सरकारी फायदा मिल ही नहीं पाएगा और योजना कागजी बनकर रह जाएगी। कोरोना से मरने वालों की संख्या में जमकर हेराफेरी हुई है।शुक्ला ने ब्लैक फंगस से मरे लोगों को पांच-पांच लाख रुपए मुआवजा देने की मांग भी की है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ से गुजारिश की है कि उनकी यह मांग मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान तक पहुंचाई जाए।

निगेटिव बताई गई, पर अंतिम संस्कार कोरोना गाइड लाइन से हुआ। ये वो मरीज हैं, जो अस्पताल में आठ से दस दिन भर्ती रहे, पर जिनके सैंपल नहीं लिए गए और उन्हें संदिग्ध मान लिया गया। आज जिन मरीजों की मौत हुई उनमें प्रकाश (42), धार, रानीबाई (65), सेठी नगर, कुंदन (70), पीथमपुर, उषा शर्मा (66), निपानिया। सभी की रिपोर्ट निगेटिव थी। 19 मई को अब्दुल मोहम्मद (73), सदर बाजार की मौत हुई। सैंपल नहीं लिए गए और संदिग्ध मान लिया गया। देवराज (53), महू को संदिग्ध मान लिया और राजकुमार (60), अशोक नगर की मौत हुई और निगेटिव बता दिया गया। 11 मई को राजेंद्र (55), ग्राम सलोदा की मौत हुई, उसे 8 मई को भर्ती किया गया था, पर सैंपल नहीं लिए। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के चारों कोरोना अस्पतालों में सैकड़ों लोग मरे हैं, जो संक्रमण के बाद भर्ती हुए, कोरोना का इलाज चला और संक्रमण से ही मौत हुई, कोरोना प्रोटोकाल में ही जिनका शव सीधे रश्मशन घाट या कब्रिस्तान पहुंचाया गया, पर जिनकी मौत को संदिग्ध माना गया और उनके सैंपल नहीं लिए गए। सबसे ज्यादा ये खेल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में हुआ है, जहां दस-बाह्र दिन भर्ती होने के बाद भी मरीज के सैंपल नहीं लिए और उसकी मौत हो गई।





“जो खुद पर दया दिखाते रहते हैं... न तो खुद खुश रहते हैं और ना दूसरों को खुश रहने देते हैं!”

## बिना विचारे जो करे...!

क्या वाकई दुनिया की खबर से हमारी सरकार अनजान है? यहां पढ़े-लिखों का अकाल है? जब प्लाज्मा-थैरेपी साल भर पहले ही अमेरिका और इंग्लैंड सहित कई देशों ने नकार दी थी तो हमारी काबिल सरकार किस शुभ-घड़ी, शुभ मुहूर्त का इंतजार कर रही थी? विदेशी वैज्ञानिक बार-बार समझा रहे थे कि इसका उपयोग बंद किया जाना चाहिए, मगर हम ना जाने किस बात का इंतजार कर रहे थे? कहीं ऐसा तो नहीं कि और कुछ इंतजाम नहीं था तो इसलिए इसे ही धकाया गया? कुछ नहीं से, जो है बेहतर है! अब रेमदेसिविर की बात आ रही है कि सरकार इसके उपयोग पर भी रोक लगाने जा रही है कि कोविड में इनका कोई उपयोग नहीं है। यह भी दुनिया में पहले ही साबित हो चुका है, मगर हमने उसे ऐसा बना दिया कि बीमार मुंह मांगे दाम पर खरीदने लगे। इससे ज्यादा हास्यास्पद और क्या हो सकता है कि जिन्हें नकली इंजेक्शन लगे, वे भी ठीक हो गए, यानी इस बीमारी में रेमदेसिविर की कोई भूमिका थी तो कुछ खास हालत में। शुरू से कहा जा रहा था कि ज्यादा से ज्यादा टेस्ट होने चाहिए, मगर हमारे यहां वैक्सीन क्या आई, टेस्ट तो हम भूल ही गए। दुनिया में सबसे कम टेस्ट हमारे यहां हुए हैं और उनमें भी यह दावे से नहीं कह सकते कि सभी सौ टंच सही थे। जिन लोगों ने टेस्ट ही नहीं करवाया, उनके मोबाइल पर उनकी रिपोर्ट पहुंच गई और टेस्ट करवाने वाले इंतजार ही करते रहे। हर नियम कुछ ही दिनों में दम तोड़ते दिखाई दिए। दवाई से लेकर कप्पू और लॉकडाउन तक कोई सोच नहीं, कोई समझ नहीं, कोई विचार नहीं। जब हमारे स्वास्थ्य मंत्री ही पतंजलि वाले रामदेव की गोली को कोरोना की दवा मनवाने पर तुले थे तो आप किस आधुनिक सोच की कल्पना करते हैं?

अब वैक्सीन का ही नमूना लें। जब महाराष्ट्र सरकार ने खुद वैक्सीन लगाने का विचार केंद्र को दिया तो फौरन इनकार कर दिया गया कि श्रेय किसी और के खाते में न चला जाए, फिर मोदी का मुस्कुराता चेहरा कैसे नजर आएगा लोगों को और यह कैसे पता लगेगा कि उनकी मेहरबानी से लग रहा है टीका। जब शुरू में पैतालीस साल से ऊपर वालों के लिए वैक्सीन की शीशी खोली गई और लोग डर के मारे नहीं आ रहे थे तो इतने करोड़ टीके बर्बाद करने के बजाय जो आ रहे थे, उन्हें लगा दिए जाने चाहिए थे। बाद में अठारह साल का नियम लाए, तब तक वैक्सीन का अकाल हो गया तो फिर नियम बदल दिया। अभी तक भारत में कुल दो फीसद लोगों को ही टीके लगे हैं और जिस गति से टीके बन रहे हैं, दो तीन साल तो लग ही जाएंगे। बिना विचारे जो करे, सो पीछे पछताए, शायद ऐसे ही लोगों के लिए कहा गया होगा।

#### ■ कमल कुमार

घर में सननाटा था। देखने गई थी।

मिली थी उनसे। बहुत देर तक बात नहीं हो सकी। फिर उन्होंने बताया था अवसाद हो गया है। कुछ भी अच्छा नहीं लगता। भूख भी मर गई है। एक अंधेरा-सा फिर गया है जीवन में। बच्चे दोनों बाहर चले गए थे। दोनों अकेले रह गए थे। पत्नी अवसादग्रस्त थी। पति परेशान था। यह हालत इस एक परिवार की नहीं है। मैंने जाना था कि आज जबकि बुजुर्ग घर में अकेले रह गए हैं, बच्चे बाहर रह रहे हैं, यह हालत बहुत लोगों की है। आश्चर्य तब हुआ था, जब पता चला कि महज चौदह-पंद्रह साल का छात्र अवसाद में था। उसके माता-पिता परेशान थे। मनोचिकित्सक के पास लेकर आए थे, पर क्या यह किशोर बालक अकेला था? यहां भी पता चला कि आज की किशोर और युवा पीढ़ी में भी अवसाद बढ़ रहा है। हाल के सर्वे के अनुसार जहां अकेले रहने वाले चालीस फीसद बुजुर्ग अवसाद में हैं, वहीं एकल परिवारों में बारह-तेरह फीसद युवा और किशोर अवसादग्रस्त हो रहे हैं। घर में सारी सुविधाएं हैं। बुजुर्गों को उनके बच्चे पैसे भेजते हैं, फोन करते हैं, साल-दो-साल में आते भी हैं। घर में युवा और किशोर बच्चे अच्छे पब्लिक स्कूलों में पढ़ रहे हैं। बच्चे जो चाहते हैं, उन्हें मिल जाता है। उनकी मांगें पूरी होती हैं। मां-बाप ने इन्हें सारे सुख दिए हैं। मोबाइल, टीवी, गाड़ी, ड्राइवर है, पर तब भी ये अवसाद में हैं।

मुझे याद है कि हमारी पीढ़ी में घरों में चार-छह बच्चे आम होते थे। अच्छे मध्य वर्ग के परिवारों में मां-बाप उन्हें स्कूलों, सरकारी स्कूलों में पढ़ाते थे। सब साथ मिलकर जो बनता था, खाते थे। आपस में लड़ते-झगड़ते, पर खेलते-कूदते थे। शाम होते ही घर से बाहर खेलने के लिए जाते थे। घर में कभी कोई चीज मिलती भी नहीं थी। नाराज होते, पर सब ठीक था। बच्चे बीमार होते थे, पर कभी अवसादग्रस्त हुए हों, ऐसा कभी नहीं था। फिर आखिर ऐसा क्या हुआ?

दरअसल, बीच का संवाद खत्म हो गया। पहले मध्य वर्ग में आसपड़ोस में आने-जाने, लेन-देन, मिल-बैठकर बतियाने

# महामारी ने छीन लिए हसीन सपने!

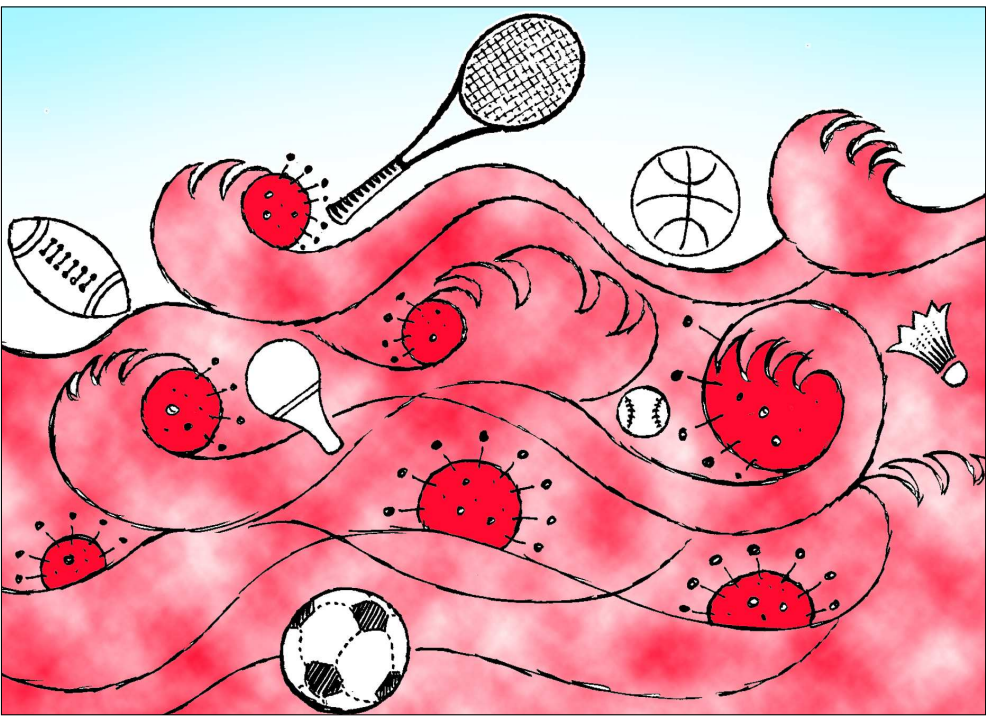
#### ■ अनंत मिश्र

कोविड-19 ने देश-दुनिया का कितना नुकसान किया, इसके सटीक गुणा-भाग में तो न जाने कितने साल लगेगे, क्योंकि अभी तो इस पर जीत पाने के लिए ही जद्दोजहद हो रही है, लेकिन इसने हमारे आसपास के समाज, उसके सपनों को कितनी बुरी तरह जख्मी किया है, इसकी मुनादी खबर के ब्यौरे कर रहे हैं। खासकर खेल-क्षेत्र को हुआ नुकसान इसलिए अधिक कचोटता है, क्योंकि इस दौर ने कई संभावनाओं को हमेशा-हमेशा के लिए खत्म कर दिया तो कई प्रतिभाएं अब इससे मुंह मोड़ने लगी हैं। खेल के मैदान खाली पड़े हैं। सुबह-शाम जो मैदानों पर जो जमघट लग रहता था, वो भी उजाड़ हो गए हैं।

कालीकट के धावक जिंसन जॉनसन पंद्रह सौ मीटर दौड़ के राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी हैं। पिछले रियो ओलिंपिक और विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा ले चुके हैं। 2019 के दोहा विश्व चैंपियनशिप के पहले उन्होंने जर्मनी में हुई ऑल स्टार मीट में जब विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया, तभी से उम्मीद बांधी जाने लगी थी कि जॉनसन टोक्यो ओलिंपिक में जरूर शानदार प्रदर्शन करेंगे, लेकिन कोरोना-काल में न सिर्फ उनका अभ्यास बाधित हुआ, बल्कि वह कुछ कोरोना पॉजीटिव हो गए। अब टोक्यो ओलिंपिक खेलने का उनका सपना टूटता हुआ नजर आ रहा है। ऐसे कई खिलाड़ी हैं, जो पहली दफा खेलों के महाकुंभ में भारतीय तिरंगे के नीचे उतरना चाहते थे। कई ऐसे भी थे, जो इस बार का ओलिंपिक खेलकर खेल जीवन को अलविदा कहना चाहते थे। इन सबकी उम्मीदों पर महामारी ने पानी फेर दिया है। हाल ही में कई खिलाड़ियों की दर्द भरी कहानियां पढ़ीं, जो अपना जौहर दिखाए बिना ही कुम्हलाने लगे हैं। कोरोना-काल ने उनके अभाव को विकराल बना दिया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण और भारतीय ओलिंपिक संघ से जुड़े संगठनों की मानें तो देश भर में ऐसे खिलाड़ियों की तादाद पांच करोड़ से भी ज्यादा है, जो अलग-अलग खेलों में अपना भविष्य बनाने के लिए जान लगाए हुए थे। भारतीय खेल प्राधिकरण के छोटे-बड़े ढाई सौ केंद्रों में लगभग दस हजार युवा खिलाड़ी प्रशिक्षण लेते हैं। सिर्फ उत्तरप्रदेश की बात करें तो करीब ढाई हजार चुनिंदा खिलाड़ी इस समय अलग-अलग स्पोर्ट्स कॉलेज और हॉस्टल में ट्रेनिंग ले रहे थे। इनके अलावा राज्य भर के स्टेडियमों में पांच लाख से ज्यादा खिलाड़ी अलग-अलग खेलों में थे। सालभर से भी अधिक समय से इन सबका खेल बुरी तरह प्रभावित हुआ है। एथलेटिक्स, बॉलीबॉल, फुटबॉल, हॉकी जैसे खेलों के ज्यादातर खिलाड़ी गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। चूँकि गांवों, कस्बों और छोटे जिलों के युवा महंगी शिक्षा नहीं ले सकते। ऐसे में, कुछ दशक से खेल इन्हें ऐसे क्षेत्र के रूप में दिखाता रहा है, जहां अपनी शारीरिक क्षमता, प्रतिभा और हौसले के दम पर वे कुछ कर सकते हैं।

ऐसे कई एथलीटों की संघर्ष-गाथा आज हजारों नौजवानों के लिए प्रेरणा-स्रोत हैं, मगर उम्मीदी की यह पौध कोरोना के कारण मुरझाने लगी है। किसी ने अभ्यास छोड़ दिया तो किसी को कोरोना खा गया। आर्थिक रूप से



कमजोर ज्यादातर खिलाड़ी इसलिए अपने सपनों से मुंह मोड़ने लगे हैं, क्योंकि उनके घरवाले अभ्यास के लिए जरूरी खुराक का भार नहीं उठा सकते। अंतर्राष्ट्रीय एथलेटिक्स कोच जसविंदरसिंह भाटिया के मुताबिक खिलाड़ी अगर एक दिन अभ्यास न करे तो उसके प्रदर्शन पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में, चौदह महीने से देश के लाखों खिलाड़ियों का अभ्यास प्रभावित हो रहा है। कुछ कोच ऑनलाइन ट्रेनिंग देने की कोशिश कर रहे हैं, पर खेल ऐसी विधा है, जिसमें कोच जब तक सीटी लेकर मैदान में खड़ा नहीं होता, तब तक ट्रेनिंग ठीक से नहीं हो पाती। अभ्यास बंद होने से ये खिलाड़ी बहुत पीछे चले गए हैं। किसी को नहीं पता कि ये हालात कब तक कायम रहेंगे? जिन खिलाड़ियों ने 2024 ओलिंपिक खेलों में हिस्सा लेने का सपना संजोया था, उनका भी बहुत नुकसान हुआ है।

उन खिलाड़ियों की ट्रेनिंग भी प्रभावित हो रही है, जिन्होंने ओलिंपिक का टिकट हासिल कर लिया था। कई खेल संघों ने अपने खिलाड़ियों को ट्रेनिंग के लिए विदेश भेज दिया है। वहां नियम-कायदों की बंदिशों के चलते उन्हें प्रशिक्षण मिल भी रहा है, मगर जो देश में हैं, उनके लिए प्रशिक्षण बड़ी चुनौती बन गया है। उन्हें अकेले ट्रेनिंग करनी पड़ रही है, जबकि ओलिंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुका हरेक खिलाड़ी चाहता है कि उसे बड़ी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का मौका मिले, ताकि वह अपने को आंक सके, पर कोरोना ने खेल गतिविधियों को ठप कर दिया है। ऐसे में, खिलाड़ियों को नहीं पता कि टोक्यो में वे किस पायदान पर खड़े होंगे। बड़े खिलाड़ियों के लिए जानकारों-मनोवैज्ञानियों के सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि वे अवसाद के शिकार न बनने पाएं। पहली बार ओलिंपिक में हिस्सा लेने का सपना पाले ताइक्वांडो खिलाड़ियों पर

कोरोना की बिजली गिरी है। संक्रमण का दूसरा दौर न होता तो उनका शिविर अप्रैल में शुरू हो जाता। दूसरी लहर के चलते उनका कैंप बंद करना पड़ा। ज्यादातर क्वालीफायर प्रतियोगिताएं रद्द कर दी गई हैं। ऐसे में, लंदन ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता शटलर साइना नेहवाल, कदांबी श्रीकांत, एथलीट सुधा सिंह, स्टीपलचेजर पारुल चौधरी, पहलवान दिव्या काकरान, रियो ओलिंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक जैसी खिलाड़ियों की ओलिंपिक में हिस्सा लेने की उम्मीदें टूट चुकी हैं। कुछ शहरों के खिलाड़ी तो कोरोना-पाबंदी की वजह से घरों में कैद हैं, जिसके कारण उनकी फिटनेस पर भी असर पड़ा है। महामारी कब जाएगी और कब नहीं, अब इन्हें ज्यादा दाम से बाहर आना होगा।

जाहिर है, खेल संघों के साथ-साथ केंद्र और राज्य सरकारों को भी कोरोना से उभजे हालात से अपने खिलाड़ियों को उबारने और टूट चुकी खेल प्रतिभाओं के साथ खड़े होने के लिए आग होना होगा। जो खिलाड़ी खुराक के अभाव में खेल छोड़ने को मजबूर हुए, उनकी तुरंत मदद की जानी चाहिए। उनकी खुराक का बंदोबस्त किया जाए, ताकि हालात सुधरने तक अपने-अपने घर पर रहते हुए वे अपनी ट्रेनिंग जारी रख सकें। तमाम क्षेत्रों को इस संकट काल में सरकार से आर्थिक मदद मिली है, इन खिलाड़ियों की भी सहायता की जाए। इस काम में देश के संपन्न उद्यमियों और निजी क्षेत्र को भी आगे आना चाहिए। इन खेल प्रतिभाओं को यह भरोसा दिलाना होगा कि उनका भविष्य दांव पर नहीं लगने दिया जाएगा। आने वाले अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में वे इस देश के लिए गौरवशाली पल अर्जित कर सकें, इसके लिए जरूरी है कि उनके खेल पर विराम न लगे। ●

## ... और लिख दिया भामती!

वाचस्पति मिश्र की शादी छोटी उम्र में ही हो गई थी। जब वे पढ़ाई पूरी करके घर वापस लौटे तो उन्होंने अपनी मां से वेदांत दर्शन पर टीका लिखने की इजाजत मांगी। जब वह टीका लिखने लगे तो उन्होंने अपनी मां से कहा कि जब तक उनका टीका पूरा ना हो जाए, तब तक उनका ध्यान भंग ना किया जाए। उनकी मां काफी बूढ़ी हो चुकी थीं। घर में बहू के अलावा काम करने वाले और कोई नहीं था। कुछ दिन तक वो ही घर का पूरा काम करती रहीं, लेकिन कुछ साल बाद उनकी भी हिम्मत जवाब दे गई। उन्होंने मदद के लिए अपनी बहू भामती को बुला लिया। आते ही भामती ने सारी जिम्मेदारी उठा ली। कुछ दिन बाद माताजी का देहावसान हो गया। अब सारी जिम्मेदारी भामती पर थी। भामती पति की सेवा में लीन रहीं।

वाचस्पति मिश्र साहित्य साधना में ऐसे लीन रहे कि उन्हें पता ही न चला कि उनकी सेवा कौन कर रहा है? भामती भी सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान रखने लगीं। धीमे-धीमे तीस साल बीत गए। एक दिन शाम को दीपक का तेल खत्म हो गया और वाचस्पति मिश्र का ग्रंथ भी पूरा हो गया। दीपक के बुझने से भामती को बहुत दु:ख हुआ। उसने सोचा कि वाचस्पति को लिखने में नाहक बाधा पड़ी। वह काम छोड़कर जल्दी-जल्दी दीपक में तेल डालने लगी। अपने रचना कार्य से अभी-अभी आजाद हुए साहित्यकार ने किताबों से सिर उठाया तो सामने खड़ी नारी को देखा, लेकिन पहचान नहीं पाए।

भामती से उन्होंने पूछा- ‘हे देवी, आप कौन हैं?’ नजरं झुकाकर सामने खड़ी भामती ने कहा - ‘हे देव, मैं आपकी पत्नी हूं।’ सुनकर वाचस्पति मिश्र जैसे गहरी नींद से जागे और पूछा - ‘देवी, तुम्हारा नाम क्या है?’ देवी ने उसी तरह सकुचाते हुए कहा - ‘मेरा नाम भामती है।’ वाचस्पति मिश्र उसके त्याग और सेवा से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने तुरंत कलम उठाई और तीस साल तक कठिन मेहनत करके जिस अप्रतिम ग्रंथ की रचना की थी, उस पर लिख दिया- भामती। ●

## अकेले हैं... तो गम-ही-गम हैं !

की और घर या बाहर की बातें करना आम बात थी। बालकनी में, छत पर, शाम को बाहर औरतें आपस में बतियाती थीं। हर तरह की- घर, बच्चों, पति की बातें करती थीं। किसी के घर में कोई विशेष व्यंजन बनता तो पड़ोस में दिया जाता। फिर उस पर बात होती। अब ऐसा नहीं रहा। सब अपने में सिमट गए। गांवों में चौपाल होती थी। शाम को सभी वहां इकट्ठा होते थे। बातचीत के अलावा कोई भी समस्या होती तो उसे सबके सामने रखा जाता। समाधान ढूंढा जाता।

गांवों में शहरीकरण हुआ। अब शहरों में विदेशीकरण हो



दैनिक भास्कर ने बेबसी, लाचारी और परेशानी की तीन तस्वीरों से पहले पन्ने की शुरुआत की है। किसी को मां के लिए टोसी इंजेक्शन की जरूरत है, कोई मुख्यमंत्री से मिलना चाहता है, ताकि पिता को ब्लैक-फंगस के इलाज में आने वाले इंजेक्शन मिल सके, कोई एसडीएम के पैरों में गिर रहा है, इन्हें भी इंजेक्शन चाहिए। इन सबके बीच मुख्यमंत्री की मीटिंग है, जिससे थोड़ी राहत मिली है, पर हमेशा की तरह ढेर सारे वादे हैं। खबर कह रही है, मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के दौर से इंदौर को ब्लैक-फंगस के इलाज, कोरोना वैक्सीन के शॉटेंज और रोगजार में राहत मिलने की उम्मीद थी। थोड़ी मिली, लेकिन दवाओं के मामले में यही जवाब मिला कि बात हुई है, इंतजाम कर रहे हैं! हालत ये है कि सीएम के आने से घंटों पहले दवाई के लिए लोग पर्व लेकर कलेक्टोरेट पहुंच गए थे। पुरे दिन मुलाकात के लिए मिनटों करते रहे। ब्लैक फंगस के सिर्फ आठ सौ डोज आए हैं, बाकी कब आएंगे, पता नहीं है।

आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अस्पताल में भर्ती नहीं किया जा रहा है, कहा इलाज होगा, इसकी भी कोई खबर नहीं है। डेढ़ महीने से कारोबार बंद है, कब चालू होगा, इस पर भी सवाल हैं और इन सबके बीच अठारह साल से ज्यादा वालों को वैक्सीन नहीं मिल रहा है और पैतालीस पार वाले भी भटक ही रहे हैं। इन सारे सवालों के साथ पन्ना शुरू हो रहा है और आज फिर बताया गया है, सरकार के लिए कोई रियायत नहीं है। जहां मौका मिल रहा है, हमला किया जा रहा है। ऐसा दूसरी जगह देखने को नहीं मिल रहा है। सीएम का भी इंदौर आना सभी ने छपा है, लेकिन सपाट खबर से ज्यादा नहीं है। इंदौर में कोरोना का आंकड़ा हजारों से नीचे पहुंच चुका है, लेकिन सख्ती बढ़ा दी गई है। मुख्यमंत्री का कहना है, अगले दस दिन अहम हैं, सतर्क

रहना होगा और इसके बाद इंदौर कलेक्टर ने नया फरमान जारी किया है, जिसमें किसी के लिए कोई गुंजाइश नहीं है। किराने से लेकर सब्जी की दुकानें तक बंद रहेंगी। एक तरफ इंदौर खोलने की बात हो रही थी और अब सख्ती का ऐलान हो गया है, ऐसा लग रहा है, सख्ती के बाद राहत मिल सकती है !

प्रीपुलस समाचार ने रोज की तरह मुख्यमंत्री को खूब सारी जगह दी है, पास में कलेक्टर का फरमान है। कल शिवराज सिंह चौहान इंदौर में ही थे और यहां जो कुछ कह गए हैं, उसे पहले पन्ने के अलावा अंदर भी देखा जा सकता है। **दबंग दुनिया** ने मुख्यमंत्री से ज्यादा जगह कलेक्टर को दी है। यहीं से पता चल रहा है, दूध के अलावा किसी के लिए कोई राहत नहीं है। मुख्यमंत्री का कहना है, ब्लैक फंगस से निपटने के लिए इंदौर को लीड लेना पड़ेगी! **पत्रिका** में मुख्यमंत्री कह रहे हैं, सरकार

वैक्सीन का ग्लोबल टेंडर नहीं चाहती है। उनके आने पर कांग्रेसियों ने भी मोर्चा संभाल लिया था। जीतू पटवारी मौत के आंकड़ों के साथ सामने आए हैं और कह रहे हैं इंदौर में 1286 नहीं, तीस हजार मौतें हुई हैं। पेज तीन पर उन्हें फोटो के साथ छपा गया है। पंचकुडिया और रीजनल पत्रिका मशरान के आंकड़े उन्होंने आगे किए हैं। कोरोना से जो मर गए हैं, उनके

परिवार को एक लाख रुपए दिए जाएंगे, ऐसा ऐलान मुख्यमंत्री ने किया है। **राज एक्सप्रेस** ने इसे पहले पन्ने पर छपा है। यहीं मोदी को कह रहे हैं, उसे ध्यान से सुनने की जरूरत है और संभाल के रखने लायक भी है। स्वल्प बदलने में माहिर है कोरोना... ये धूर्त और बहरूपिया भी ! ऐसा पीएम का कहना है। **नईदुनिया** ने माथे पर मोदी का फोटो लगाया है, पर खबर अलग है। मुख्यमंत्रियों की मीटिंग थी, जिससे ममता बनर्जी नाराज हैं। उनका कहना है, बोलने का मौका नहीं दिया गया। इसी तरह सबने खबर लिखी है, लेकिन यहां हेंडों बना है- **प्रधानमंत्री मोदी की बैठक को ममता ने बनाया राजनीति का अखाड़ा!**

**दैनिक भास्कर** ने इस खबर को पहले पन्ने पर लगाया है। ममता बनर्जी कह रही हैं मुख्यमंत्रियों को कपटुतली बनाकर बैठाए रखा। उमंग सिंघार के मामले में कांग्रेस मैदान में आ गई है।

कमलनाथ कह रहे हैं, ओछी सियासत कर रही है सरकार... हनीटैप की सीड़ी मेरे पास है। उमंग पर दर्ज हुए केस में सोनिया के लड़के और मां के बयान दोबारा लिए जाएंगे, ऐसी खबर भी यहीं छपी है। कमलनाथ की चेतावनी को पत्रिका ने खूब सारी जगह दी है और बताया है, उन्होंने इस मामले में शिवराज से बात की है। पास वाले पन्ने पर दमोह है, जहां कई नेताओं को

कोरोना ने मार दिया है, जिनके इंडे उठाए थे, वो भी पूछ नहीं रहे हैं। यहां जो चुनाव रहे, उससे कोरोना फैला, कई लोगों की जान गई है, जिसमें दस नेता भी शामिल हैं। सरकार ने सभी सूखों तक फरमान पहुंचा दिया है, ब्लैक फंगस को महामारी बताएं। **नईदुनिया** ने पहले पन्ने पर खबर छपी है, जिसमें इंदौर के हालात भी हैं। सवाल उठया गया है, आखिर इंजेक्शन कैसे मिले? इससे निपटना फिलहाल मुश्किल है। पास में छपी खबर कह रही है, मालवा और निमाड़ के गांव तक ब्लैक फंगस पहुंच गया है, इलाज नहीं है, कई तरह की दिक्कतें हैं।

**दैनिक भास्कर** ने पहले पन्ने पर सीएचएल अस्पताल को छपा है, जहां ब्लैक फंगस के इलाज के लिए पचास लाख का एस्टीमेट दिया गया है। सवाल उठया गया है, आखिर यह कैसा इलाज है! दो दिन पहले सरकार ने ब्लैक फंगस के इलाज को मुफ्त कराने का ऐलान किया था, लेकिन जमीनी हकीकत तो कुछ और कह रही है। जिस मरीज को एस्टीमेट दिया गया है, उनका नाम पंकज गुप्ता है, फोटो भी है और किस तरह सब कुछ हुआ है, यहां छपा गया है। कंसलटेंट फिजिशियन डॉक्टर पीयूष जांशी कह रहे हैं, बड़ी सर्जरी में ही इतना खर्च नहीं होता है। अंदर छपी खबर कह रही है, ब्लैक फंगस के इलाज में भी वेंटिंग का बोर्ड लगाने लगा है। सर्जरी के लिए तीन दिन लग रहे हैं, जांच में भी मरीजों को उलझाया जा रहा है। इसी पन्ने पर शहर का कोरोना है, जिसके अलग-अलग आंकड़े पेश किए जा रहे हैं। आईसीएमआर पोर्टल पर दो लाख कोरोना मरीज हैं, लेकिन बुलेटिन में सिर्फ सवा लाख दिखाए जा रहे हैं। यहां मुख्यमंत्री ऐलान कर रहे हैं, वैक्सीन के लिए हम फंड की कमी नहीं आने देंगे।



आईने में आईना



# टेस्ट सीरिज जल्दी करा दो...आईपीएल कराना है

बीसीसीआई की सांसे आईपीएल में अटक़ी है। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे की तैयारी के लिए मुंबई में इकट्ठा है और यहां से जुगाड़ लगाई जा रही है कि आईपीएल खातिर इंग्लैंड टेस्ट सीरिज जल्दी करा दे। इस बात का खुलासा इंग्लैंड के पुराने खिलाड़ी माइकल एथर्टन ने किया है। मामले में बीसीसीआई और ईसीबी दोनों चुप हैं।

एथर्टन की मानें तो बीसीसीआई ने इंग्लैंड बोर्ड से चार अगस्त से शुरू होने वाली टेस्ट सीरिज का वक्त बदलने की बात कही है। आईपीएल के इक्कतीस मैच बाकी है, इसके लिए बीसीसीआई ने एक हफ्ता पहले टेस्ट सीरिज खत्म करने की बात कही है। इंग्लैंड बोर्ड ने अभी इस पर कोई जवाब नहीं दिया है। बीसीसीआई की तरफ से भी कुछ नहीं आया है कि इंग्लैंड राजी होता है तो मुकाबले इंग्लैंड में ही होंगे या यूएई में खेले जाएंगे।



बीसीसीआई ने लगाई इंग्लैंड से गुहार

सितंबर में आईपीएल कराने की तैयारी

चार अगस्त से शुरू हो रही सीरिज चौदह सितंबर को खत्म हो रही है। एक हफ्ता पहले सीरिज खत्म होती है तो बीसीसीआई की सितंबर के तीन हफ्ते मिल जाएंगे, जिसमें वो आईपीएल करा सकता है। बीसीसीआई ने इसके लिए पूरा जोर लगा रखा है, क्योंकि इसके बाद तारीख निकालना मुश्किल होगा। इंग्लैंड के लिए ऐसा करना आसान नहीं है। वो द हंड्रेड टूर्नामेंट शुरू करने जा रहा है, जिसमें विदेशी खिलाड़ी भी होंगे।

मुकाबले उन्हीं मैदानों पर होना हैं, जहां टेस्ट सीरिज के मैच हैं। ऐसे में वहां से सामान समेट दूसरी जगह बायो-बबल तैयार करना आसान नहीं होगा। इंग्लैंड के खिलाड़ियों का भी खेलना मुश्किल हो जाएगा। ऐसे में ईसीबी खुद का टूर्नामेंट फ्लॉप नहीं करेगी। टेस्ट सीरिज के टिकट तक बेचे जा चुके हैं। ●

# ‘रंग की वजह से डीविलियर्स को विकेटकीपर बना दिया’

**केपटाउन।** रंग की वजह से एबी डीविलियर्स को जबरन विकेट कीपर बनाया गया, ताकी थामी सोलेकिल मार्क बाउचर की जगह ना ले पाए। यह कहना है साऊथ अफ्रीका के पुराने तेज गेंदबाज लॉवाबो सोत्सोबे का। बोले, स्मिथ ने क्रिकेट छोड़ने की धमकी देकर इस अश्वेत खिलाड़ी को कभी टीम में आने नहीं दिया और बाउचर की जगह डीविलियर्स से कीपिंग करवा ली, जबकि वो कीपर थे ही नहीं। सोत्सोबे ने साऊथ अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड को दिए सात पन्ने के दस्तावेज में कहा कि सोलेकिले को मार्क बाउचर के बदले टीम में आना था, लेकिन अचानक से डीविलियर्स को विकेटकीपर बना दिया। डीविलियर्स तो कीपर थे ही नहीं। उन्हें दस्ताने इसलिए पहनाए गए ताकी सोलेकिले जैसे अश्वेत खिलाड़ी टीम में जगह ना बना लें। सोत्सोबे ने इसके लिए स्मिथ को निम्मेदार ठहराया है। बोले-स्मिथ ने कहा था कि सोलेकिले खेले तो वो क्रिकेट ही छोड़ देंगे।



सोत्सोबे ने लगाए स्मिथ पर आरोप

**अगले साल महिला फुटबॉल विश्वकप**

**नई दिल्ली।** महामारी की वजह से पिछले साल रद्द हो चुके महिला अंडर-17 फुटबॉल विश्वकप की मेजबानी फीफा ने भारत को दोबारा सौंप दी है। अक्टूबर की तारीखें भी तय कर दी है। फीफा कांग्रेस की बैठक के बाद फैसला किया गया है। भारत की मेजबानी बरकरार रहेगी। 11 से 30 अक्टूबर के बीच टूर्नामेंट खेला जाएगा। इसी के साथ फीफी अंडर-20 महिला विश्वकप और सीनियर महिला विश्वकप की तारीखें भी तय कर दी गई हैं। महिला सीनियर विश्वकप ऑस्ट्रेलिया और न्यू जीलैंड में खेला जाएगा।

# आर्चर की सर्जरी, भारत के खिलाफ वापसी मुश्किल

**लंदन।** जोफ्रा आर्चर की दायीं कोहनी की सर्जरी होगी, जिससे उनका भारत के खिलाफ चार अगस्त से शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरिज में खेलना मुश्किल है। न्यू जीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरिज से आर्चर पहले ही बाहर हैं। यह उनकी दूसरी सर्जरी होगी। भारत के खिलाफ सीरिज में चोट लगी थी। वापसी की, लेकिन दर्द से छुटकारा नहीं मिला। ईसीबी ने कहा कि अभी वापसी के बारे में सर्जरी के बाद ही पता चलेगा।



# ब्लैक फंगस का निशाना बनीं शूटिंग कोच

**नासिक।** कोरोना से जूझ रही साई की निशानेबाजी कोच मोनाली गोरहे ने ब्लैक फंगस (म्यूकोमिकोसिस) की वजह दम तोड़ दिया। मोनाली ने कुछ देर पहले ही पिता को खोया था। पिता की मौत कोरोना की वजह से हुई। पुराने इंटरनेशनल कोच अशोक पंडित ने बताया कि पंद्रह दिन से भर्ती थीं। आखिर में ब्लैक फंगस का सामना नहीं कर पाईं। मोनाली टोक्यो ओलिंपिक के लिए निशानेबाजों को तैयार कर रहीं थीं। साथी श्रध्दा नालंबर ने बताया कि कोरोना से उबर तो गई थीं, लेकिन सांस लेने में दिक्कत थी। दवाओं के सहारे उन्होंने लड़ने की कोशिश तो खूब की, लेकिन बीमारी ही विजेता बनी।



# श्रीजेश एथलीट कमेटी में

**नई दिल्ली।** विश्वकप हॉकी संघटन ने भारतीय गोलकीपर पी आर श्रीजेश को एथलीट कमेटी में जगह दी है। सालाना बैठक में यह फैसला लिया गया है, जिसमें श्रीजेश के साथ पोलैंड के मारलेना रिबचा, साऊथ अफ्रीका के मोहम्मद मिया और ऑस्ट्रेलिया के मैच स्वान को जगह मिली है।



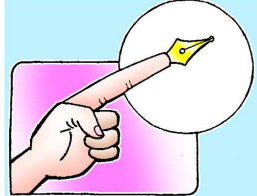
# ‘राहत’ के लिए सख्ती बर्दाश्त करना होगी!

**इंदौर में सख्ती करना है, ऐसा दिमाग बनाकर ही** मुख्यमंत्री आए थे, लेकिन गेद उन्होंने क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी के पाले में डाल दी और कह दिया, फैसला आपको करना है। हुआ वही, जो शिवराज तय कर चुके थे। इस पर तरह-तरह की बातें हैं, कुछ नेता ऊपर-नीचे भी हैं और उन्हें सख्ती का नया फार्मूला रास नहीं आ रहा है। इनका कहना है, जो चल रहा है, वही ठीक था, ज्यादा खिंचाई से लोग परेशान हो जाएंगे और फिर भुगतना इंदौरी नेताओं को पड़ेगा, लेकिन मुख्यमंत्री के सामने बोलने की हिम्मत किसी में नहीं थी। वहां सभी ने मुकम्मल बंद पर गर्दन हिलाई है।

असल में राहत से पहले लगाम खींची जा रही है। मुख्यमंत्री ने इशारा दे दिया था, एक जून से शहर खोलना पड़ेगा। कब तक बंद कर सकते हैं, कई तरह की दिक्कतें हैं, लोग रोजगार से परेशान हैं, बर्तन बजने लगे हैं, लेकिन उससे पहले कोरोना के नंबर नीचे लाना होंगे, बीमारी को काबू करना रहेगा, जिसके लिए जरूरी है, मुकम्मल लॉकडाउन लगाया जाए, सब कुछ बंद रखा जाए और फिर धीरे-धीरे खोला जाए। इसी के तहत कलेक्टर ने फरमान जारी किया है। नेताओं

से राय भी ली गई, लेकिन ज्यादा वक्त किसी को नहीं दिया गया। वैसे जिस तरह से नेताओं ने मुख्यमंत्री के सामने गुहार लगाई है, मांगें रखी हैं, उससे समझ आ रहा है, इंदौर की हालत क्या है और नेताओं की हालात भी इससे उजागर हो रही है! कोरोना हमले के बाद सबसे ज्यादा परेशान वो नेता हैं, जो चुनावी मैदान में रहते हैं।

उन्हें खुद को बचाना है, लोगों की नाराजगी दूर करना है, इसलिए मुख्यमंत्री तक वो बातें पहुंचाई गई हैं, जिससे वो जूझ रहे हैं। किसी ने ब्लैक फंगस के इंजेक्शन की मांग रखी, कोई वेंटीलेटर का जिन्न कर रहा था, किसी ने कोरोना से मरने वाले के परिवार की मदद का कहा, कोई टेस्ट की तादाद बढ़ाने की मांग कर रहा था, आयुष्मान कार्ड का जिन्न भी निकला, बच्चों के लिए बिस्तर बढ़ाए, ऐसी बात भी सामने आई। इनके अलावा गांव से जो लोग शहर में आ रहे हैं, उससे मरीजों की



तादाद बढ़ रही है, इसे रोकने की बात भी उछली, यानी सबके पास कुछ ना कुछ था। मीटिंग में सिर्फ भाजपाई ही नहीं थे, कांग्रेसी भी पहुंचे। हालांकि दो विधायक भोपाल में थे, जिसकी वजह से जीतू पटवारी को ही यहां देखा गया। राजू विधायक भी नरम-गरम दिखाई दिए। अंदर उन्होंने शिवराज चौहान के साथ काम करने और कंधे से कंधा मिलाकर कोरोना से मुकाबला करने की बात कही, तुलसी सिलावट के करीब दिखे, कहीं कोई गरमी नहीं थी, बल्कि सरकार जो कर रही है, उसके साथ खड़े होने की बात की, लेकिन बाहर निकलते ही आंकड़ों के साथ हमलावर थे। भाजपाइयों को समझ नहीं आया, ऐसा क्यों हुआ है, हालांकि पटवारी तैयारी के साथ आए थे। उन्होंने जो आंकड़े दिए हैं, उसका जवाब फिलहाल भाजपा के पास नहीं है। वैसे सरकारी आंकड़ों पर चारों तरफ बातें हो रही हैं, उसमें कई तरह की गड़बड़ हैं और जो रिकॉर्ड पटवारी लाए हैं, उसने सत्ता को बेचैन कर दिया है। जो भी हो, मुख्यमंत्री ने राहत का इशारा दे दिया है और उससे पहले कुछ दिन इंदौर को सख्ती में गुजारना पड़ेगा!

# बचाव में उतरे पेलवान के पट्टे!

हैं और मंत्री की जय-जयकार के साथ उनके काम का बखान हो रहा है। असल में संजय शुक्ला के हमले तो मंत्री बर्दाश्त कर गए थे, लेकिन जैसे ही दिग्विजयसिंह और कमलनाथ ने उन्हें घेरा, प्रदेश की खबर बनी, उन्हें लगा चुप नहीं रहा जा सकता है, कुछ करना पड़ेगा। खुद बोलेंगे तो बखड़ा होगा, इसलिए पट्टों के जरिए इमेज बिल्डिंग का काम शुरू हो गया है। हालांकि मामले में दम नहीं है, जो

भी हमला कर रहे थे, पीछे आ गए हैं और फिर सरकारी मशनरी बचाव में कूद पड़ी है। जहां तक खेल पहुंचा है, उससे सिलावट का कुछ बिगड़ना दिख नहीं रहा है। भाजपा के दूसरे नेता उनके बचाव में दिख नहीं रहे हैं, लेकिन उनकी अपनी गैंग कोई कसर छोड़ने को तैयार नहीं है। जो वीडियो चल रहे हैं, जो कह रहे हैं, घायल शेर की सांसे उसकी दहाड़ से भी ज्यादा खतरनाक होती हैं...! पेलवान

# अस्थियां इकट्ठा कर नर्मदा में विसर्जन

इंदौर। शहर के ज्यादातर श्मशान घाट में कई लोगों की अस्थियां रखी हैं। संस्था कृष्ण सखी ने जूनी इंदौर, रीजनल पार्क और पंचकुइयां मुवित धाम में जमा अस्थियां ट्रक में रख कर नर्मदा तट के खेड़ीघाट पर विसर्जित की। संस्था ब्रह्म समागम की राष्ट्रीय अध्यक्ष जया तिवारी की अगुवाई में सदस्यों ने अस्थियों की पूजा और कर्मकाण्ड के बाद विसर्जन किया। संस्था से जुड़े सन्नी गजरे, सूरज जोशी, पवन अग्रवाल, शशि सातपुते भी इस काम में मदद कर रहे हैं। जया तिवारी ने कहा कि मेरी सास कृष्णा तिवारी के गुजर जाने के बाद श्मशान में अंतिम संस्कार के बाद अस्थियां लेने गए तो बड़ी तादाद में रखी दिखीं। तय किया कि सभी दिवंगतों की अस्थियों का कर्मकाण्ड के साथ विसर्जन करेंगे।



बांगड़दा रोड की हाईलिक सिटी में धरणीधर पार्वनाथ श्वेतांबर जैन मूर्ति पूजक ट्रस्ट ने यहां के पार्श्व कल्पतरु धाम का पांचवां सालाना समारोह रखा। धर्म ध्वजा फहराई गई। शांतु पालरेचा, पुंडरिक पालरेचा ने बताया कि सत्तरभेदी पूजा की। विजय मेहता, मनीष सुराणा, संजय मोगरा शामिल हुए।



मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रहे अनिल माधव दवे की पुण्यतिथि पर फूटी कोटी इलाके में पौधे लगाए गए। परिषद के संभाग समन्वयक नवनीत रत्नाकर, रितुजा पहाड़े, प्रवेश शर्मा, वीरेंद्र कुमार त्रिपाठी, आशीष शुक्ला मौजूद थे।

# सरपंच के बाद छोटे भाई ने भी दम तोड़ा

**इंदौर नगर प्रतिनिधि।** बीस दिनों में के भीतर सांवेर तहसील के गांव धनखेड़ी के सरपंच और उसके भाई की मौत के बाद सन्नाटा है। गांवों में अभी भी कोरोना के मरीज निकल रहे हैं, तो इक्का-दुक्का मौतें भी हो रही हैं। सांवेर तहसील की ग्राम पंचायत धनखेड़ी के सरपंच उम्मेदसिंह सोलंकी (40 ) की कोरोना से मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि छोटे भाई घनश्याम ने उम्मेदसिंह के अंतिम संस्कार के पहले मनाही के बाद भी क्रियाकर्म करने के दौरान शरीर पर हाथ फेर दिया था और वे भी चपेट में आ गए थे। उम्मेद का परिवार अभी इस सदमे से उभरा भी नहीं था कि कल उनके छोटे भाई घनश्याम सोलंकी (35) की भी करोना बीमारी से मौत हो गई। भाइयों के निधन से परिवार में खेती संभालने के अलावा कमाने वाला कोई नहीं बचा है। उनके पिता का निधन कुछ

साल पहले हो गया था। परिवार मे अब दोनों भाइयों की पत्नी पत्नी के अलावा तीन छोटे बच्चे और उनकी बुजुर्ग मां है।सांवेर में रोजाना कोरोना के मरीज निकल रहे हैं और ऐसा कोई गांव नहीं बचा, जहां कोई बीमार नहीं हुआ हो। गांवों में बीस-बीस मौतें हुई हैं। कोविड केयर सेंटर बनाए जा रहे हैं, लेकिन जिस तरह से गांव के मुखिया की मौत हुई है, उससे इलाज और व्यवस्थाओं की पोल खुल रही है।

# ऑक्सीजन मशीन दी

इंदौर। इंदौर अभिभाषक संघ की जिला न्यायालय इंदौर डिस्पेंसरी को भाजपा राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय और विधायक रमेश मेंदोला ने पांच ऑक्सीजन कन्सन्ट्रैटर दी। अभिभाषक संघ की तदर्थ समिति संयोजक कमल गुप्ता, सह संयोजक शैलेंद्र त्रिवेदी, आपदा प्रबंध समिति प्रभारी प्रमोद व्यास, सदस्य नंदकिशोर शर्मा, राकेश कामा, शासकीय लोक अभिभाषक विमल मिश्रा मौजूद रहे।

**MADHYA PRADESH HOUSING & INFRASTRUCTURE DEVELOPMENT BOARD**

**NOTICE INVITING TENDER**

**System Tender No. 2021\_MPHID\_143039\_1 (1st Call)**

Online percentage rate bids are invited for the following work from the Contractors/Firms registered in Centralized registration system of MPPWD for electrical works, having A-class Valid Electrical license from the MP Licensing Board, Govt. of MP/ any State, having an experience in similar nature type of work and fulfilling registration criteria :-

**Name of Work -** Restregthening/Repairing/Maintenance of Existing External Electrification work of Kamayani & Kadambari Nagar Rau Indore (M.P.) PAC Rs. 40,00,000/- The tenders are available for purchase only on-line upto 02.06.2021 15:30 Hrs. on payment of Rs. 5,900/- for other details please visit <https://www.mptenders.gov.in>

**(B.S. Parihar)**

**EXECUTIVE ENGINEER (Elect.)**

**Electrical Division, Indore**

**Visit us : [www.mphousing.in](http://www.mphousing.in)**

**M.P. Madhyam/100768/2021**

**Tel. 0731-2556698,**

**Mob. 9575977705**

■ शब्द पहेली

**बाएं से दाएं**

1. महीना, माह

3. कांधा, स्कंध, मुड़दा

5. पगार, तनखा

7. दया, सहानुभूति

9. कपोल, रुखसार

12. परीक्षा, जांच

14. नजारा, मंजर

16. पृथ्वी, धरती

17. फिवाड़, दरवाजा

18. लड़ी, जंजीर

19. धोखा, विश्वासघात

21. आकाश, आसमान

23. परात, टाटी

25. पहिया, चक्र, चक्का

27. सिहरना, कांपना

30. रजनी, निशा, रात्रि

32. जहन्नुम, दोजख

34. हलचल, आतंक

36. शिष्टता, सभ्यता, विवेक

38. मांग, इच्छा, आवश्यकता

39. ईश्वर, भगवान

40. दुर्गंध, बदबू

41. खफ़ार, गधा

42. आलाप, तरन्नुम

43. मुकाम, ठौर, स्थान

44. योग, काल, जमाना

**ऊपर से नीचे**

1. पराजय, हार

2. तेजी से, शीघ्रत :

4. तागा, सूत

6. तपस्या, साधना

8. सर्वेसर्वा, सर्वोष्ण

अधिकारी

10. गोंद, चिपकन

11. तुला, तकड़ी

13. हड़बड़ी, खलबली, बौखलाहट

# राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर गुरु सिंघ सभा को एंबुलेंस

इंदौर.नप्र। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आज विधायक जीतू पटवारी ने इंदौर गुरु सिंघ सभा को पंद्रह लाख रुपए की एंबुलेंस दी। एक एंबुलेंस राजू विधानसभा में काम करने वाली संस्था को दी गई। दोनों में बाय पैप है। कांग्रेसी चौधुराम मंडी चौराहे पर उनकी प्रतिमा को माला पहनाने पहुंचे थे। लॉक-डाउन के कारण कम ही कांग्रेसी पहुंचे थे। को राजीव गांधी की प्रतिमा पर देखा गया था। शहर कांग्रेस अध्यक्ष विनय बाकलीवाल ने बताया कि कोरोना के नियमों का पालन करते ऐसा किया। युकां का मरीज के परिजनों को भोज- राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर युवा कांग्रेसियों के लिए दिल्ली से फरमान जारी हुआ था, जिसमें सरकारी अस्पताल में इलाज करवा रहे मरीजों के परिजनों के लिए राशन और भोजन की व्यवस्था करना थी। इंदौर शहर के अध्यक्ष रमीज खान ने बताया कि लगभग 1000 खाने के पैकेट लेकर युवा कांग्रेस की टीम अलग-अलग अस्पतालों में जाएगी। बड़े अस्पताल, सुपर स्पेशलिटी और बाद में एमआर टीवी अस्पताल में भी खाने के पैकेट बांटे जाएंगे।

# मनाही के बाद जला रहे कचरा

इंदौर. नप्र। जनता कर्पू्र लगा होने से शहर में कचरा कम निकल रहा है, सफाई कर्मी इसे जलाने से बाज नहीं आ रहे हैं, जबकि इस पर सख्त रोक है। आज सुबह वार्ड-35 के देवास नाका क्षेत्र में सफाईकर्मियों ने कई जगह कचरा जला दिया। धुआं दूर-दूर तक दिख रहा था।



1	2	3	4	5	6		
7		8	9	10			11
	12		13		14	15	16
17			18		19	20	
		21		22		23	24
25	26		27	28		29	30
							31
32		33		34			35
	36		37			38	
39			40			41	
					42		43
						44	

15. गुफा, कंदरा, खोह	24. कपड़े का टुकड़ा, चीर	33. भूल, कसर, त्रुटि
17. लक्षण, हुलिया, परिचय	26. कमाल, चमत्कार	35. दैन, भयभीत, विवश
20. कथा, कहानी, दास्तान	28. लीन, ध्यानमग्न	37. प्रतिभाशाली, बुद्धिमान
22. धर्म, ईमान	29. डंटल, पोला	39. आनंद, उत्साह
	डंटल, डंडी	41. गलती, कसूर
	31. सराबोर, बहुत गीला	

**कल का उत्तर**

■ मंजू मिश्रा

	1	2		3			
	वा	मा		द	ज		
4	अ	ता		ह	प	सा	या
5	ना	रा	ज		जी		म
6	झ	झ		झ	झ		झ
7	झ	झ		झ	झ		झ
8	झ	झ		झ	झ		झ
9	झ	झ		झ	झ		झ
10	झ	झ		झ	झ		झ
11	झ	झ		झ	झ		झ
12	झ	झ		झ	झ		झ
13	झ	झ		झ	झ		झ
14	झ	झ		झ	झ		झ
15	झ	झ		झ	झ		झ
16	झ	झ		झ	झ		झ
17	झ	झ		झ	झ		झ
18	झ	झ		झ	झ		झ
19	झ	झ		झ	झ		झ
20	झ	झ		झ	झ		झ
21	झ	झ		झ	झ		झ
22	झ	झ		झ	झ		झ
23	झ	झ		झ	झ		झ
24	झ	झ		झ	झ		झ
25	झ	झ		झ	झ		झ
26	झ	झ		झ	झ		झ
27	झ	झ		झ	झ		झ
28	झ	झ		झ	झ		झ
29	झ	झ		झ	झ		झ
30	झ	झ		झ	झ		झ
31	झ	झ		झ	झ		झ
32	झ	झ		झ	झ		झ
33	झ	झ		झ	झ		झ
34	झ	झ		झ	झ		झ
35	झ	झ		झ	झ		झ
36	झ	झ		झ	झ		झ
37	झ	झ		झ	झ		झ
38	झ	झ		झ	झ		झ
39	झ	झ		झ	झ		झ
40	झ	झ		झ	झ		झ
41	झ	झ		झ	झ		झ
42	झ	झ		झ	झ		झ
43	झ	झ		झ	झ		झ
44	झ	झ		झ	झ		झ



# सुबह से सख्ती... पूछताछ में मजदूर का सिर फोड़ा

इंदौर : नगर प्रतिनिधि। प्रदेश के मुखिया कल इशारा कर गए तो पुलिस ने ऐसे तेवर दिखाया शुरू किए कि सड़क पर निकले लोग पसीना-पसीना थे। गांधी सर्कल पर फूल लेकर जा रहे युवक को बस में ऐसा धक्का दिया कि उसका सिर फूट गया और खून बहने लगा। मुखिया शिवराजसिंह चौहान कल इंदौर में थे। उनके जाते ही आठ दिन सख्त लॉक-डाउन लगा दिया। मात्र दो किलोमीटर के टुकड़े में ही चार जगह चैकिंग पाईट लगे थे। गांधी चौक, गिटार चौराहा, इंडस्ट्रीज हाउस और एमआईजी तिराहा शामिल हैं। चारों तरफ के रास्ते बंद थे। सुबह 7.30 बजे थानेदार प्रवीण नागर के साथ पुलिसवालों की फौज तैनात थी। रवीन्द्र नाट्यगृह की तरफ जाने वाला रास्ता बंद था। पलासिया की तरफ का एक छोर चालू था और दूसरे पर बैरिकेड्स। मोबाइक पर बर्जुंग आए और उन्होंने कहा कि पत्नी का कीमो कराने ले जाना है, लेकिन अफसरों ने चलता कर दिया। सरदारजी को रोककर बस में बैठा दिया। गांधी सर्कल से निकलने वालों को गहन पूछताछ से गुजरना पड़ा। नगर निगम के कर्मचारी गले में कार्ड लटकाने के बजाए पेट में लगाए हुए थे। पुलिस के सामने वो भी 'पॉवर-फुल' हो गए। मोबाइक (एमपी09-एनएस-3441) पर बंगाली



अफसर से बोला- बच्चे भूखे मर जाएंगे

चौराहे का पंकज जा रहा था। उसके पास गुलाब की कलियां थीं। आर्डर का सामान था। पुलिसवालों ने उसे रोका और बस में ले गए। जब जाने की जिद करने लगा तो सिर बस से दे मारा। उसके सिर से खून निकलने लगा तो सिपाही गायब हो गए। अपर कलेक्टर पवन जैन मैदान में थे। उनके पास आया और कहने लगा, साब मेरा सिर फोड़ दिया। उन्होंने कहा कपयूँ लगा है, तुम बाहर क्यों निकले। बोलने लगा- साब छोटे-छोटे बच्चे हैं। कई दिनों से धंधा चल नहीं रहा है। आर्डर का सामान लेने गया था। राजवाड़ा से घर जा रहा हूँ। पैसा नहीं ले जाऊंगा तो भूखे मरने की नौबत आ जाएगी। जैन ने सिपाहियों से कहा कि इसका इलाज करवाओ और घर पहुंचाओ। बाणगंगा का विनोद शर्मा ऑटो रिक्शा लेकर जा रहा था। उसे भी पुलिस ने बस में बैठा लिया। विनोद ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया और कहने लगा, मुझे उध्देक कर दो, लेकिन नाईसाफी मत करो। कई लोगों को जाने दे रहे हो और हमें रोक रहे हो, ये कैसा न्याय है। परिवार पालना मुश्किल हो गया है। कभी बंद कर देते हैं तो कभी रियायत देते हैं। समझ नहीं आ रहा है कि क्या कर रहे हो। नगर निगम वाले ने उसे चुप कराया। आधे घंटे में ही बस को भर गई।



ताली बजाई तो पीछे हट गए...

जो पुलिस डंडे फटकार रही थी, उनकी रंगदारी चंद मिनट में ही फीकी पड़ गई थी। किन्नरों से भरी ऑटो रिक्शा आई तो पुलिसवाले पीछे हट गए। उन्होंने जैसे ही ताली बजाई तो किसी की हिम्मत नहीं हुई कि कारण पूछे लें, कहाँ जा रहे हैं।



कारवाले ने दी लिफ्ट

ग्वालियर से इंदौर आए परिवार को भी मुसीबत झेलना पड़ी। वो ऑटो रिक्शा से एमआईजी तिराहे तक तो आ गए, लेकिन यहां से उन्हें पैदल यात्रा करना पड़ी। महिला समेत तीन लोग थे, जिन्हें निरंजनपुर चौराहे जाना था। कुछ दूरी तक चलने के बाद कार (एमपी09-वी-7129) चालक ने उन्हें लिफ्ट दी।

## हिरासत में दूल्हा, 'मेहमानों' की हवा निकाली

इंदौर : नप्र। थानेदार पर केस दर्ज होने के बावजूद भी लोग सबक नहीं ले रहे हैं। खजुराना में कल शादी कार्यक्रम चल रहा था। पुलिस पहुंच गई। खजुराना पुलिस को शिकायत मिली थी कि गुरुनानक सी सेक्टर में शादी का आयोजन चल रहा है। थानेदार रितेश यादव टीम के साथ पहुंचे तो देखा कि भीड़भाड़ इकट्ठी है। मेहमानों ने मास्क भी नहीं लगा रखा है और न सोशल डिस्टेंस का पालन हो रहा है। टेंट-तम्बू लगाकर कार्यक्रम चल रहा है और गाड़ियों का ढेर है। पुलिस को देखकर भगदड़ मच गई। इधर-उधर भागने लगे। पुलिस ने सभी गाड़ियों की हवा निकाल दी। विरोध हुआ

तो तो डंडे भी फटकारे। कार्यक्रम का वीडियो बनाया। दूल्हे दिनेश अहिरवार और उसके पिता लखन अहिरवार को हिरासत में लिया। थाने लाकर उनके खिलाफ धारा 188 का केस दर्ज किया। दोनों को धारा 41 का नोटिस देकर छोड़ा।

### यहां जन्मदिन...

राजेन्द्रनगर पुलिस को सूचना मिली कि एबीसीडी मल्टी राजेन्द्रनगर में जन्मदिन मनाया जा रहा है। किसी ने भी मास्क नहीं पहन रखा है। पुलिस ने यहां दबिश दी और संजय, संदीप, पदमाकर, जिस्मराज, इरफान, फूलचंद और रामदयाल के खिलाफ केस दर्ज किया।

### लाखों की चोरी

इंदौर। लखुड़िया पुलिस ने संजीव कुमार वर्मा अनुराग नगर की रिपोर्ट पर चोरी का केस दर्ज किया है। छत का दरवाजा तोड़ कर चोर अंदर घुसे और सोने-चांदी के जेवरों सहित एसी भी ले गए। यहां से दो लाख रुपए से ज्यादा का माल चोरी हुआ है। वेंकटेश नगर में प्रीतम जैन के घर में भी चोरी हो गई। यहां से सोने-चांदी के जेवरों और नकदी ले गए।

### वसूली के लिए हमला

इंदौर। खजुराना पुलिस ने सलमान अंसारी ममता कॉलोनी की रिपोर्ट पर अमजद उर्फ बकरा के खिलाफ वसूली का केस दर्ज किया है। उसने पांच सौ रुपए मांगे और नहीं देने पर हमला कर दिया।

### ट्रक में तेज रफ्तार कार, दो की मौत

धार : देवराज सिकरवार। इंदौर-अहमदाबाद रोड पर घाटाबिल्लौद के पास देर रात धार से आ रही कार, ट्रक में जा घुसी। हादसे में कार सवार दो लोगों की मौत हो गई। रात बारह बजे धार से आ रही कार साइड में खड़े किए जा रहे ट्रक में घुस गई। ट्रक फैमस चापड़ा सप्लायर्स का था। कार इतनी तेज रफ्तार में थी कि उसमें बैठे पांडे परिवार के संजीव (46) और संदीप पांडे (32) की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद हाइवे पेट्रोलिंग, धार, घाटाबिल्लौद और बेटमा पुलिस मौके पर पहुंच गई। क्रेन बुलवा कर शवों को जैसी-तैसी निकाला गया। शव इतनी बुरी तरह फंस गए थे कि उन्हें ट्रकड़ों में निकाला गया।



## 20 हजार ₹ का इनामी गिरफ्तार

इंदौर। एसआईटी की टीम ने न्याय नगर घोखाघड़ी के मामले में फरार मुलजिम सजाद हुसैन को गिरफ्तार किया है। उस पर 20 हजार रुपए का इनाम था। नितिन सिद्ध के पकड़ाने के बाद उसके बारे में खबर मिली थी। जाली दस्तावेज बनाने में इसकी भूमिका है। मुलजिम को पकड़ने में एसआईटी के देवेंद्र मरकाम भूमिक रही है।

**TOLANI**  
COOLERS  
YOUR  
*Summer*  
PARTNER

\*ISI MARKED MOTORS \* Galvanized sheet \* Epoxy powder coated \* 2 season replacement Guarantee. (Motor & Pump)  
**HOME DELIVERY AVAILABLE**  
ORDER NOW OR CALL 9098465300  
संपर्क करें: लोकेश तोलानी 7226988888

**एक्सचेंज ऑफर**  
पुराना लाएं  
नया ले जाएं

# योग से निरोग

## कार्यक्रम के अन्तर्गत

### कोविड-19 के होम आइसोलेटेड, कोविड केयर सेंटर पर भर्ती और स्वस्थ हुए मरीजों तथा योग प्रशिक्षकों से

श्री नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

श्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री

गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी  
और  
योग गुरु स्वामी रामदेव जी  
एवं  
श्री शिवराज सिंह चौहान  
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश  
करेंगे  
**संवाद**

गुरुदेव श्रीश्री रविशंकर जी    योगगुरु स्वामी रामदेव जी

**ऑनलाइन  
संवाद**  
21 मई, 2021  
दोपहर 12.00 बजे

इंडियन योग एसोसिएशन का विशेष सहयोग

<https://webcast.gov.in/mp/cmevents>

के माध्यम से कार्यक्रम में जुड़ने के लिए आप सभी आमंत्रित हैं।

सहयोगी संस्थायें:

**LIVE** **STREAMING** **DDMP**

@Cmmadhyapradesh  
@jansampark.madhyapradesh

@Cmmadhyapradesh  
@jansamparkMP

jansamparkMP  
jansamparkMP

एवं क्षेत्रीय न्यूज़ चैनल पर प्रसारण

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

संपादक: प्रकाश पुरोहित। प्रकाशक एवं मुद्रक सुनील सोजितिया द्वारा स्वामी दिव्य प्रभात पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रभातकिरण पब्लिकेशन प्रा. लि. 25, प्रेस कॉम्प्लेक्स एबी. रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 17-18, प्रिंस यशवंत रोड, राजवाड़ा, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। आर.एन.आई पंजी क्र.52109/91 डाक पंजीयन क्रमांक आई/डी/सी.एम.पी. 492/2009-11 फोन नं. 2559444 (संका.) 2547793 (विज्ञापन)

D-11017